हरिभूमि

जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 21 अप्रैल 2024

तापमान

अधिकतम 34 .0 डिग्री
न्यूनतम 22 .0 डिग्री

10 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं का सम्मान

10 नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकाली

खबर संक्षेप

गेहूं की आवक अधिक आज मंडियां रहेंगी बंद

जींद। मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने कहा कि अबकी बार हरियाणा में गेहूं की बम्पर पैदावार है। अधिकारियों से कहा कि मंडियों में एकसाथ अधिक मात्रा में आने वाले गेहूं से खरीद कार्य व गेहूं उठान को लेकर अव्यवस्था होने की संभावना है। खरीद की समुचित व्यवस्था कार्य को दुरुस्त करने को लेकर अगले 24 घंटे के लिए सभी अनाज मंडियों को बंद रखा जाए।

पटवार एवं काननूगो एसोसिएशन की बैठक

नरवाना। पटवार एवं काननूगो एसो.की बैठक रिटायर्ड कानूनगो प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई।नरवाना की कार्यकारिणी का गठन किया। जिसमें पूर्व प्रधान जयपाल कानूनगो की देखरेख में चुनाव प्रक्रिया को संपन्न करवाया । नई कार्यकारिणी के गठन में पटवारी अनिल को प्रधान, सुरेश कुमार पटवारी को उपप्रधानए वीरेंद्र को महासचिवए रमेश को सर्वसम्मति से कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

फतेहगढ़ में युवक का मार्ग रोक मारपीट की

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के फतेहगढ़ गांव में युवक का रास्ता रोककर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने मामला दर्ज किया है। फतेहगढ़ गांव निवासी राजबीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 18 अप्रैल को फतेहगढ़ गांव निवासी तकदीर, बंटू और तीन अन्य युवकों ने रास्ता रोक कर मारपीट की।

घर बैठे डाउनलोड करें डिजिटल वोटर कार्ड

कैथल। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रशांत पंवार ने कहा कि डिजिटलाइजेशन की ओर बढ़ते दौर में चुनाव आयोग ने भी चुनाव से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य ऑनलाइन कर दिए हैं। चुनाव आयोग ने देश में डिजिटल मतदाता पहचान पत्र या इलेक्ट्रॉनिक इलेक्टोरल फोटो आईडी कार्ड यानी ई-ईपीआईसी की सुविधा शुरू कर रखी है।

नाबालिग का अपहरण करने पर मामला दर्ज

जुलाना। मंडी चौकी क्षेत्र से नाबालिग लड़की के अपहरण के आरोप में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जुलाना कस्बे की महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी पौने 18 वर्ष की लड़की का किसी अज्ञात युवक ने अपहरण कर लिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ अपहरण मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क के दोनों और खड़ी झाड़ियों से दुर्घटना का भय

राजौंद । राजौंद के असंध कैथल मुख्य मार्ग पर सड़क के दोनों और खड़ी झाड़ियां लोगों के लिए दुर्घटना का कारण बन रही है। कई जगह पर तो यह झाड़ियां सड़क की और बिलकुल झुक कर खड़ी है। इससे वाहन चालक व पैदल चलने वाले राहगीर काफी परेशान हो चुके है। कई बार सड़क से साथ कच्चे में स्थान न होने के कारण पैदल व साइकिल चालक दुर्घटना का शिकार हो जाते है।

दहेज के लिए प्रताड़ित करने पर पति नामजद

जींद। सदर थाना पुलिस ने गांव की महिला को दहेज के लिए प्रताड़ित, मारपीट व अप्राकृतिक यौन शोषण के आरोप में महिला के पति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायत में सदर थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने बताया कि उसकी शादी नारनौंद क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक के साथ हुई थी।

सड़क पर खड़े ट्रक से 250 लीटर डीजल चोरी

जींद। रोहतक रोड पर ट्रक यूनियन के नजदीक खड़ी गाड़ी से डीजल चोरी होने पर शहर थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। शिकायत में सुखदेव सिंह ने बताया कि वह वंडर सीमेंट का डिपो चलाता है। गोदाम रोहतक रोड पर है। उसका ट्रक रोहतक रोड पर 15 अप्रैल को खड़ा था।

डीएचएस की फटकार, छुट्टी वाले दिन स्टॉफ को बुला सफाई करने के निर्देश

स्वास्थ्य विभाग के डायरेक्टर हेल्थ सर्विसेज ने नागरिक अस्पताल नरवाना का किया निरीक्षण, स्टाफ में हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

स्वास्थ्य विभाग के डायरेक्टर हेल्थ सर्विसेज (डीएचएस) मनीष बंसल ने शनिवार को नरवाना नागरिक अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था को लेकर फटकार लगाई गई वहीं अस्पताल स्टाफ में हड़कंप मच गया और व्यवस्था बनाने में जुट गए। डीएचएस द्वारा यहां सबसे पहले हाजरी रजिस्टर का निरीक्षण किया और उसके बाद अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड, लैबोरेटरी, डॉक्टरों के कमरे, ओपीडी रूम, लेबर रूम का बारीकी से निरक्षण किया।

जींद। नागरिक अस्पताल नरवाना का निरीक्षण करते डीएचएस मनीष बंसल।

सफाई व्यवस्था सुचारु रूप से न होने पर डीएचएस ने फटकार लगाई और छुट्टी वाले दिन स्टाफ को बुला कर सफाई करने के निर्देश दिए। डीएचएस जितने समय तक अस्पताल में मौजूद रहे, तब तक अस्पताल कर्मियों में हडकंप मचा रहा। डीएचएस ने स्पष्ट किया कि अस्पताल में मरीजों को बेहतर सेवाएं मिलें, इसके लिए लगातार प्रयास करने होंगे। इमरजेंसी सेवाओं को 24 घंटे सुचारू रखना चाहिए। इसके अलावा गर्भवति को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होनी। समय पर उनकी जांच तथा उनको अन्य दवाइयां दी जाएंगे। यह प्रयास करने होंगे कि गर्भवति महिलाएं अपनी डिलीवरी सरकारी अस्पतालों में ही करवाएं। एंबुलेंस सेवा व्यवस्था की समय-समय पर जांच की जाए। यदि कोई भी समस्या हो तो तुरंत स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशक को अवगत करवा कर समस्या का समाधान करवाना चाहिए। विभाग के डायरेक्टर हेल्थ सर्विसेज (डीएचएस) मनीष बंसल ने नागरिक अस्पताल नरवाना के निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बातचीत करते कहा कि नरवाना ही नही प्रदेशभर में चिकित्सकों की कमी है। सरकार इस पर काम कर रही है और आचार संहिता के बाद चिकित्सकों की संख्या को बढ़ाया जाएगा। अस्पताल में जल्द ही छोटे बच्चों की नर्सरी शुरू की जाएगी। इसके लिए चिकित्सकों को स्पेशल ट्रेनिंग दी जा रही है। निरीक्षण के बाद खामियों के सुधार के लिए भी कहा है और अपने कार्य में और लग्न से व गुणवत्ता लाने की बात कही गई है। सफाई व्यवस्था को लेकर छुट्टी वाले दिन पूरे स्टाफ को बुला सफाई करवाने की बात कही है। डीएचएस ने कहा कि अस्पताल की रूटीन जांच की गई है और यहां पर जांचा है कि मरीजों की कहां पर पर्ची कटती है, किस प्रकार जांच की जाती है और कौन-कौर सी दवाइयां उनको दी जाती है। उन्होंने गर्मी के मौसम को देखते बचाव करने के लिए अपील करते कहा कि पानी का अधिक सेवन करें।

स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर बनाने का प्रयास

सीएमओ डा. गोपाल गोयल ने कहा कि डीएचएस रुटीन जांच के लिए पहुंचे थे। उन्होंने कुछ कमियां बताई हैं, जिनको दूर कर लिया जाएगा। जिले में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं। इनको और बेहतर बनाने के लगातार प्रयास जारी है।

एक बार फिर फिटनेस के लिए पहुंची 17 स्कूल बसें

मानकों पर खरी नहीं उतरी 4 स्कूल बसें, फिटनेस प्रमाण पत्र भी अटका

■ आज और कल भी होगी बसों की फिटनेस जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

एकलव्य स्टेडियम के निकट शनिवार को स्कूल संचालक अपनी बसों का फिटनेस प्रमाण पत्र लेने के लिए बसों को लेकर पहुंचे। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण की टीम बसों की फिटनेस जांच के लिए यहां मौजूद रही। इस दौरान यहां पर 17 स्कूल बस फिटनेस जांचने का काम किया । जिनमें से चार स्कूल बसें मानकों पर खरी नहीं उतरी। जिस कारण उनको प्रमाण पत्र नही दिए गए जबकि 13 बसें मानकों पर खरी उतरी। इनमें नियमों के अनुसार सभी जरूरी उपकरण पाए गए। अब प्राधिकरण इन बसों की फिटनेस जांच का प्रमाण पत्र जारी कर देगा। रविवार व सोमवार को भी बसों की फिटनेस जांच का काम जारी रहेगा। इससे पहले बुधवार को स्कूल बसों की फिटनेस जांच का कार्य शुरू हुआ था। बुधवार को आठ स्कूल बसें यहां फिटनेस जांच के लिए पहुंची थी। इनमें से कोई भी स्कूल बस मानकों पर खरी नहीं उतरी। जिस कारण उन्हें प्रमाण पत्र जारी नही किए गए थे और परिवहन विभाग के अधिकारियों ने इन बसों में जो-जो कमियां पाई, उनको दूर करने के निर्देश दिए थे। शनिवार को फिर से स्कूली बच्चों की फिटनेस जांच का काम शुरू किया गया।

मानकों पर खरी उतरी 13 बसें को प्रमाण पत्र मिला

जींद। एकलव्य स्टेडियम में फिटनेस जांच के लिए आई बस। *फोटो :हरिभूमि*

मानकों पर खरा उतरना जरूरी

सभी स्कूल मुखियाओं को पता है कि बसों के लिए क्या-क्या मानक रखे गए हैं। कमियों के बावजूद स्कूल संचालक बसों को फिटनेस जांच के लिए भेज रहे हैं। इससे साफ है कि स्कूल संचालक अपनी बसों को मानकों के अनुसार ठीक नहीं रखना चाहते हैं। यदि स्कूली बस सभी मानकों पर खरी हों तो वह पास हो सकती हैं लेकिन कमियों के बावजूद स्कूल संचालक बसों को पास करवाना चाह रहे हैं। फिटनेस जांच के दौरान एक स्कूल बस के टायर काफी कमजोर मिले जबकि एक स्कूल बस का फर्श कंडम हालत में था। इसके अलावा एक स्कूल बस में सीसी टीवी कैमरे काम नहीं कर रहे थे। वहीं एक स्कूल बस में जीपीएस काम नहीं कर रहा था। इस कारण इन बसों को फेल किया गया। जब सभी मानकों पर स्कूल बस खरी उतरेंगी तो उनको पास कर दिया जाएगा।

सभी मानकों पर खरा उतरने पर ही फिटनेस प्रमाण पत्र : कौशिक

मोटर व्हीकल अधिकारी संजीव कौशिक ने बताया कि जब सभी मानकों पर स्कूल बसें खरी उतरेगी तो वह पास हो जाएगी। बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ नहीं कर दिया जाएगा। मानकों पर खरी नहीं उतरने वाली बसों को किसी भी सूरत में फिटनेस प्रमाण पत्र जारी नहीं किए जाएंगे। शनिवार को फिटनेस जांच के लिए 17 स्कूल बस आई थी। इनमें से 13 बस फिटनेस मानकों पर खरी उतरी जबकि चार बसों में कुछ कमियां थी। इन बसों के चालकों को कमियां दूर करके लाने के लिए कहा गया है।

शनिवार को यहां पर 17 स्कूली बसों की जांच का काम हुआ। इनमें से 13 स्कूली बस मानकों पर खरी पाई गई। इसलिए इनको फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने के लिए कहा गया। चार बसों में कुछ कमियां थी। इन बसों के चालकों को कमियां दूर करने को कहा गया। अब यह बस चालक अपनी बसों की कमियां दूर करके रविवार को फिर से फिटनेस जांच के लिए लेकर आ सकते हैं।

लंबित मांगों को लेकर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

लोकसभा चुनाव के बीच विभिन्न कर्मचारी संगठनों के साथ-साथ रिटायर्ड कर्मचारी भी अपनी मांगों को लेकर हरकत में नजर आ रहे हैं। इस कड़ी में रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक कलायत की भट्ट चौपाल में हुई। इसकी अध्यक्षता प्रधान हरफूल सिंह ने की। रामकुमा राणा, जयप्रकाश शास्त्री, जगरूप सहारण, सचिव हरबंस लाल, शांति देवी, हरि ओम सिंह लोहान, सतबीर मोर, रामकुमार, हरिकेश और दूसरे कर्मी मौजूद रहे। कहा कि रिटायर्ड कर्मचारियों की पिछले 10 सालों से अनदेखी हो रही है। मांगों की सुनवाई न करने पर उनमें भारी रोष है। सालों में सेवानिवृत्त कर्मचारी सैकड़ों बार अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन व मांग पत्र राजनेताओं के साथ-साथ मुख्यमंत्री तक सौंप चुके हैं। बावजूद इसके समस्या ज्यों की त्यों हैं। उनकी मुख्य मांगों में आयु बढ़ने पर पेंशन में वृद्धि, कैशलैस मेडिकल प्रणाली, पुरानी पेंशन बहाली, कोरोना काल का 18 मास का महंगाई भत्ता और कुछ दूसरे मुद्दे शामिल हैं। सरकार की अनदेखी से नाराज रिटायर्ड कर्मचारी अब प्रदेश में जन जागरण अभियान चलाने का विवश है। इसके माध्यम से जन-जन को सरकार की जनविरोधी नीतियों से अवगत करवाया जाएगा।

कलायत। बैठक के बाद मुद्दों की जानकारी देते रिटायर्ड कर्मी। *फोटो :हरिभूमि*

44 हजार रुपये का काटा चालान

जींद। बाइक जिसका चालान किया है। *फोटो :हरिभूमि*

जींद। जुलाना थाना पुलिस ने बीती रात को गश्त के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग 352 पर एक बुलेट मोटरसाइकिल को काबू किया है। जब मोटरसाइकिल की जांच की गई तो ड्राइवर के पास किसी भी प्रकार का कोई कागजात नहीं मिला। जिसको पुलिस ने काबू कर इम्पाउंड किया तथा 44 हजार रुपये का चालान किया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में एक विवाहिता लापता

कैथल। कैथल में एक गांव से संदिग्ध परिस्थितियों में एक 25 वर्षीय विवाहिता लापता हो गई है। इस मामले में विवाहिता के परिजनों की शिकायत पर विवाहिता की गुमशुदगी का पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। विवाहिता के परिजनों का आरोप है ससुराल पक्ष की ओर से उनकी बेटी की गुमशुदगी को लेकर सही जानकारी नहीं दी जा रही है। लेकिन पुलिस ने इस पर पूछताछ के तहत जांच शुरू कर दी है। तितरम थाना में दी गई शिकायत में भिवानी जिले के एक कस्बा निवासी महिला ने बताया कि उनकी 25 वर्षीय बेटी की शादी 2021 में थाना क्षेत्र के एक गांव के निवासी युवक से हिंदू रीति रिवाज के अनुसार हुई थी। शादी के बाद वह अपने ससुराल में ही रह रही थी। उसकी कोई संतान पैदा नहीं हुई। 17 अप्रैल रात साढ़े आठ बजे उसके पति इंद्र सिंह हालचाल पूछने के लिए बेटी के फोन पर अंतिम बार बातचीत हुई। इसके बाद 19 अप्रैल सुबह के समय जब बेटी को फोन किया तो उसका फोन बंद आया।

नाबालिक लड़की से दुष्कर्म के दोषी को 20 वर्ष की कैद

अदालत ने दोषी को 20 हजार जुर्माना भी ठोका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश फास्ट्रेक स्पेशल कोर्ट ने शनिवार को नाबालिग लड़की को भगा ले जा दुष्कर्म करने पर एक दोषी को 20 वर्ष कैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा अदालत ने दोषी को 20 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना न भरने पर दोषी को दो वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार उचाना थाना क्षेत्र के तहत एक व्यक्ति ने गत 25 अप्रैल को उचाना थाना पुलिस को दी शकायत में बताया था कि उसकी 17 वर्षीय बेटी संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ ममला दर्ज किया था। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए पाया कि गांव पिंजूपुरा कैथल निवासी नीरज उसकी बेटी को बहला फुसला कर भगा ले गया है। जिस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच में नाबालिग लड़की ने नीरज द्वारा दुष्कर्म किए जाने की बात कही। पुलिस ने नीरज के खिलाफ 6 बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम की धारा जोड़ कर गिरफ्तार कर लिया था। तभी से अदालत में विचाराधीन था। शिनवार को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश फास्ट्रेक स्पेशल कोर्ट ने नीरज को को 20 वर्ष कैद व 20 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है।

धोखाधड़ी करके 67500 रुपये ठगे, मुकदमा दर्ज

कैथल। साइबर पुलिस ने एक व्यक्ति से धोखाधड़ी से 67500 रुपये की धोखाधड़ी का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में डीग के प्रवीन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह खेती-बाड़ी का काम करता है। बताया कि फेसबुक पर प्रवीन के नाम से अकाउंट है । अक्तूबर 2023 में मेरे पास कोमल के नाम से फ्रेंड रिकेवस्ट आई थी जिसे मैंने एक्सेप्ट कर लिया था। उसके बाद मैसेंजर आपस में चैट हुई । कोमल ने मेरा नंबर मांगा तो मैंने नम्बर उसे दे दिया । जिसके 2-3 दिन बाद वटसएप पर विडियो कॉल आई तो कॉल को जैसे ही उठाया तो स्क्रीन पर लड़की नग्न अवस्था में बैठी दिखाई दी। उसके बाद मैंने कॉल कट कर दी। विडियो कॉल कट होने के बाद मुझे व्हटसैप पर उसी नंबर से हुई विडियो कॉल की स्क्रीन रिकॉर्डिंग की विडियो प्राप्त हुआ। जो नम्बर मुझे याद नहीं है मैंने डर के मारे सारे मैसेज डिलिट कर दिये थे। उसके बाद उसी दिन 20 अक्तूबर 2023 को मेरे पास व्हॅटसअप पर विडियो कॉल आई जिसमें एक व्यक्ति पुलिस की वर्दी पहन कर बैठा हुआ दिखाई दिया।

जनस्वास्थ्य विभाग के खिलाफ रोष

टैंक में पानी नहीं, पेयजल सप्लाई पूरी तरह बाधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौद

राजौंद में स्थित जल घरों के टैंकों का पानी सूखने के कारण पानी सप्लाई पूरी तरह बाधित हो रही है। आलम यह है कि कई कालोनियों में पिछले कई दिनों से पेयजल आपूर्ति नही हो रही तो कुछ वार्डो में एक दिन छोड़कर पानी पहुंच रहा है। इतना ही नही राजौंद से गुजरने वाली राजौंद डिस्ट्रीब्यूट्री भी पिछले डेढ़ माह से सूखी पड़ी है। जिससे टैंकों का पानी सूखने के कारण नगर के लोगों को नहरी पानी न मिलने से लोगों में हाहाकार मची हुई है। हालांकि जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा जलघर में लगाए गए बोर से पानी सप्लाई तो की जा रही है, लेकिन पूरे नगर में पर्याप्त मात्रा में पानी नही पहुंच रहा। जिससे लोगों को पानी के लिए पिछले कई दिनों से परेशान होना पड़ रहा है। जन स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि नहर में पानी न आने से टैंकों का पानी सूख चुका है। नागरिक राममेहर, कृष्ण, हवा सिंह, रामसिंह, शमशेर, राजकुमार का कहना है कि कहने को तो राजौंद को नपा का दर्जा दिया गया है घर घर नहरी पानी पहुंचाने के दावे किए जा रहे है लेकिन पिछले कई सालों से नहरी पानी नही मिल रहा।

मौलिक शिक्षा के महानिदेशक ने पत्र जारी कर निर्देश जारी किए

रा. स्कूलों में किचन गार्डन किए जाएंगे तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

राजकीय स्कूलों में किचन गार्डन तैयार कराए जाने की योजना है। मौलिक शिक्षा के महानिदेशक ने पत्र जारी कर निर्देश जारी किए हैं कि जिन स्कूलों में किचन गार्डन तैयार करने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है वहां विद्यालय की छत पर किचन गार्डन तैयार करें। गमलों या फिर पोलीबैग में सब्जी लगाई जाएं। जिन जिलों में इस्कान संस्था द्वारा पका हुआ भोजन दिया जाता है वहां पर किचन गार्डन में सब्जी व सलाद अवश्य उगाने के निर्देश दिए गए हैं। गौरतलब है कि जिले में 424 राजकीय प्राइमरी स्कूल व 89 मिडिल स्कूल हैं। सरकारी स्कूलों के बच्चों को हरी भरी सब्जियां खिलाने के लिए शिक्षा विभाग ने योजना बनाई है। मिड-डे मील में शुद्ध शाकाहारी भोजन विद्यार्थियों को मिल सके, इसलिए स्कूलों में ही किचन गार्डन विभाग की ओर तैयार किए जा रहे हैं। ग्रामीण परिवेश व कृषि से जुड़ाव होने के कारण सब्जियों उगाने में ग्रामीण सहयोग भी स्कूल प्रशासन को मिलेगा। किचन गार्डन बनाने का उद्देश्य विद्यार्थियों को शुद्ध साग व सब्जियों के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाना है। स्कूलों में बनाए गए किचन गार्डन से विद्यालयों के विद्यार्थी क्यारियां में उगाई गई ताजी सब्जियां खाएंगे। किचन गार्डन में पालक, टमाटर, बैंगन, टिंडा के साथ मौसमी सब्जियों की पैदावार की जाएगी।

जगह नहीं तो छत पर तैयार करेंगे

खंड शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र हुड्डा ने बताया कि जिन स्कूलों में जगह नहीं वह छत पर किचन गार्डन तैयार करेंगे। इस संबंध में स्कूल मुखियाओं को निर्देश दिए गए हैं। मौलिक शिक्षा के महानिदेशक द्वारा प्राइमरी व मिडिल स्कूलों में किचन गार्डन तैयार करवाए जा रहे हैं।

मालवी में 48 घंटे बाद मिला तालाब में डूबे युवक का शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

मालवी गांव में तालाब में डूबे युवक का शव 48 घंटे बाद तालाब से बरामद हुआ। सूचना पाकर जुलाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जींद भेज दिया। शनिवार को ग्रामीणों ने शव को तालाब में तैरते देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकाला। वीरवार को क्षेत्र के मालवी के तालाब में एक युवक डूब गया। ग्रामीणों ने सूचना डायल 112 पर दी। ग्रामीणों ने बताया कि वीरवार को सुबह 11 बजे मालवी निवासी 32 वर्षीय सम्मत तालाब में नहाने के लिए उतरा था। कुछ देर बाद तालाब में डूब गया। शव को तलाशने के लिए गोताखारों और एनडीआरएफ की टीम ने तीन घंटे तक तालाब में सर्च अभियान चलाया। तीन घंटे की कड़ी मशक्त के बाद कोई भी सुराग नही लग पाया। एनडीआरएफ टीम को बैरंग ही लौटने पर मजबूर होना पड़ा। शनिवार को ग्रामीणों ने शव को तालाब में तैरते देखा तो ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर जुलाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जींद के सामान्य अस्पताल में भिजवाया है।

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों को बताए योग के फायदे

उचाना। गत 15 से 20 अप्रैल तक महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय कैथल के योग शिक्षार्थी सतपाल पालवां द्वारा स्वामी गणेशानंद सनातन धर्म विद्यालय उचाना मंडी में योग शिविर का आयोजन किया गया। योग शिविर में 135 के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। योग शिक्षक सतपाल द्वारा विद्यार्थियों को योग के महत्व बतायें।

सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की मौत, केस

जींद। गांव उझाना के निकट लगभग दो माह पहले सड़क हादसे में घायल हुए व्यक्ति की मौत हो गई। गढ़ी थाना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव रेवर निवासी राजेश ने गढ़ी थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 23 फरवरी को उसके पिता भूराराम मजदूरी के लिएरेवर से नरवाना की तरफ किसी वाहन से लिफ्ट लेकर गए थे।

सूरजभान जनरल सेक्रेटरी नियुक्त

जींद। भारतीय दलित साहित्य अकादमी दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. एसपी सुमनाक्षर ने जींद निवासी सूरजभान पातलान को हरियाणा स्टेट यूनिट का जनरल सेक्रेटरी नियुक्त किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. एसपी सुमनाक्षर ने पातलान के साहित्य सेवा, दलित उत्थान व समाज सेवाओं को देखते हुए यह पद दिया गया है।

नागरिकों ने हाउसिंग कॉलोनी में गोष्ठी की

जींद । शहर के वरिष्ठ नागरिकों ने हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में एक गोष्ठी की। इसमें दलवीर रेढ़ू, किताब सिंह भनवाला, महावीर सिंह मलिक, कृष्ण लाठर, मदन मलिक व प्रोफेसर बलवान सिंह ने भाग लिया। गोष्ठी में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा चुनावी मीटिंग में हाथ जोड़कर माफी मांगते हुए दिखाया गया है, परंतु यह नहीं बताया गया कि पूर्व सीएम किस बात के लिए माफी मांग रहे थे।

नाबालिग के साथ छेड़छाड़ का आरोप, शिकायत दर्ज

जींद । शहर थाना क्षेत्र की नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ करने, कपड़े बदलते समय उसकी न्यूड फोटो खींचने और धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। घटनास्थल चंडीगढ़ का होने के चलते महिला थाना पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर चंडीगढ़ पुलिस को भेज दी है और जींद के एक लड़के और लड़की के खिलाफ पाक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

किसानों की रिहाई के लिए कल होगी महापंचायत

जींद । दिल्ली कूच के दौरान गिरफ्तार किए गए किसान नेताओं की रिहाई के मामले में सोमवार को खटकड़ गांव में महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। इसमें किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल, सरवन सिंह पंढेर, अभिमन्यु कोहाड़ समेत प्रदेश भर के बड़े किसान नेता पहुंचेंगे।

30 हजार की नगदी इन्वर्टर बैटरी चोरी

जींद । भिवानी रोड पर कबाड़ी की दुकान का ताला तोड़ कर इन्वर्टर बैटरी, 30 हजार रुपये की नगदी, क्रेडिट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस समेत अन्य दस्तावेज चोरी कर लिए। इस मामले में शहर थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है। पुलिस को बुढ़ाबाबा बस्ती निवासी मोहन सिंह ने बताया कि 19 की रात को कबाड़ी की दुकान का अज्ञात लोगों ने ताला तोड़ लिया।

भाटिया बने भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष

सफीदों । सफीदों के सक्षम भाटिया को फिर से भाजपा युवा मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सक्षम भाटिया ने शीर्ष नेतृत्व एवं संगठन का आभार प्रकट करते हुए कहा कि संगठन ने उनको जो यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दोबारा सौंपी है उसे वे पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करेंगे और पार्टी की नीतियों जन-जन तक पहुंचाएंगे।

जिला नागरिक अस्पताल में 2011 में बनवाया था शौचालय

11 लाख रुपये से बने शौचालय का बुरा हाल,मरीज हो रहे दुःखी

दरवाजे टूटे, टोंटी नही, महिलाओं को शौच के लिए आ रही सबसे ज्यादा परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। अस्पताल में शव गृह के पास बनवाया गया शौचालय। फोटो :हरिभूमि

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में करोड़ों रुपये की लागत से इमारतें तो बना दी गई हैं लेकिन मरीजों को शौचालय की मूलभूत सुविधा उपलब्ध करवाने में अस्पताल प्रशासन पूरी तरह से नाकाम ही साबित हो रहा है।

शव गृह के पास ही वर्ष 2011 में 11 लाख रुपये की लागत से महिला व पुरूष के लिए अलग-अलग शौचालय बनवाया गया था। शुरू में तो इस शौचालय का रखरखाव ठीक से रखा गया। फिर इसे बंद कर दिया गया। बाद में आमजन के दबाव में इसे खोला भी गया लेकिन अब इस शौचालय की व्यवस्था ठीक से न होने के चलते यह उपयोग लायक भी नही है। ऐसे में अस्पताल में आने वाले लोगों ने शौचालय व्यवस्था को लेकर रोष जताया है।

शौचालयों का बुरा हाल, नही कोई व्यवस्था

नागरिक अस्पताल में आए रवि, सुनील, विजेंद्र ने बताया कि पुरानी बिल्डिंग में शौचालय व्यवस्था का जनाजा निकला हुआ है। गंभीर मरीज को जब परिजन शौच करवाने आते हैं तो यहां सफाई नहीं होने के कारण मुंह पर कपड़ा ढककर रखना पड़ता है। अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में गर्भवती महिलाओं की जांच होती है। इसके अलावा पुरानी बिल्डिंग में ही इमरजेंसी वार्ड व लैब भी है। रात के समय आपातकालीन स्थिति में मरीज व उनके परिजनों को इमरजेंसी वार्ड में रूकना पड़ता है। वहीं लैब में मरीजों के सैंपल लेकर जांच होती है। ऐसे में यहां मरीजों की भीड़ रहती है। मरीजों का कहना है कि शौचालयों में साफ.-सफाई की व्यवस्था होनी चाहिए।

शौचालय में नही दरवाजा, महिलाएं ज्यादा परेशान

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल की बात की जाए तो यहां प्रतिदिन 1600 तक की ओपीडी होती है। इसके अलावा आधार कार्ड अपडेट करवाने सहित अन्य कार्य करवाने के लिए भी सैंकडों लोग आते हैं। इसके साथ ही पोस्टमार्टम के लिए भी लोग आते हैं। पोस्टमार्टम रूम के पास ही शौचालय बनवाया गया है लेकिन रखरखाव के अभाव में यह शौचालय उपयोग करने लायक नह है। यहां टूटियां भी टूटी पड़ी हैं और कई बार तो इसमें पानी ही नही रहता। इसके अलावा शौचालय के दरवाजे तक टूटे हुए हैं।

जल्द होगी शौचालय व्यवस्था दुरूस्त : सीएमओ

सीएमओ डा. गोपाल गोयल ने कहा कि शव गृह के पास शौचालय एडीसी कार्यालय की ओर से बनवाया गया है। उनके द्वारा यहां सफाई कर्मचारी की व्यवस्था नहीं करवाई गई है। प्रयास किया जाएगा कि शौचालय को ठीक करवाया जाए। इसके साथ ही अस्पताल परिसर में अन्य शौचालयों की सफाई व्यवस्था दुरुस्त करवाया जाएगा। इसके लिए सफाई कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए जाएंगे ताकि आमजन को किसी तरह की परेशानी न हो।

संस्कृति स्कूल में वर्तनी प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सफीदों

जींद। वर्तनी प्रतियोगिता में भाग लेते हुए बच्चे। फोटो :हरिभूमि

राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल सफीदों में कक्षा 9 से 12 वर्ग में वर्तनी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्राचार्य डा. योगेंद्रपाल सिंह ने की। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका हिंदी प्राध्यापक डॉ. नवीन कुमार और संस्कृत प्राध्यापक अशोक मिश्रा ने निभाई। वर्तनी लेखन प्रतियोगिता में कक्षा दसवीं की छात्रा सेजल प्रथम, कक्षा 11वीं का छात्र तनिश द्वितीय और तृतीय स्थान पर छात्रा अंतरा रही। सांस्कृतिक कार्यक्रम अधिकारी हिंदी प्राध्यापक तेजबीर शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिताओं से छात्रों को उन शब्दों की वर्तनी में कुशल और पारंगत बनाना है जिनका वे अपने लेखन में उपयोग करते हैं। स्कूल प्राचार्य डा. योगेंद्रपाल सिंह ने बताया कि प्रत्येक शनिवार को विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। जिससे बच्चों में आत्मविश्वास व भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिलता है। जब बच्चों के गृहकार्य का मूल्यांकन किया जाता है तो उनमें वर्तनी संबंधी अशुद्धियां को दूर करवाया जाता है।

जींद। प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

नेशनल पब्लिक रिलेशन-डे का आयोजन किया

जींद। राजकीय महाविद्यालय के जनसंचार विभाग एवं मीडिया क्लब द्वारा नेशनल पब्लिक रिलेशन-डे का आयोजन प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने कहा कि पब्लिक रिलेशन के तहत वे गतिविधियां शामिल होती हैं जो किसी संस्था, किसी कंपनी, उत्पादन, सेवा या व्यक्ति के लिए सकारात्मक छवि बनाने का कार्य करती हैं। प्रेस विज्ञप्तियां, आमतौर पर उपयोग किए जाने वाला पीआर उपकरण है। जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. शिवकुमार ने कहा कि जनसंपर्क या पीआर अभियान एक प्रभावशाली उपकरण है, जिसका उपयोग व्यवसाय अपनी मार्केटिंग रणनीति के हिस्से के रूप में करते हैं। जनसंपर्क अभियान ब्रांड जागरूकता को बढ़ावा देता है। साथ ही किसी कंपनी के प्रवक्ता की छवि किसी संगठन की छवि को दर्शाती है। पब्लिक रिलेशन सोसायटी ऑफ इंडिया के अनुसार भारत में हर वर्ष 21 अप्रैल को राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस मनाया जाता है। साल 1986 से पूरे देश में इसी दिन राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस मनाया जाता है। भारत में जनसंपर्क 1950 के दशक में शुरू हुआ है जबकि दुनिया के लिए यह लगभग 100 साल पुरानी अवधारणा है।

सुरक्षित नहीं महिलाएं ये कैसा शासन : जैन

जींद । महिला कैदी के साथ परिजनर वैन में दुष्कर्म करने पर आप की महिला प्रदेशाध्यक्ष डा. रजनीश जैन ने प्रदेश के शासन व प्रशासन पर सवाल खड़े किए हैं। आप की प्रदेशाध्यक्ष डा. रजनीश जैन ने कहा कि पुलिस की सुरक्षा में महिला कैदी के साथ दुष्कर्म होने से प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा पर बड़ा सवाल उठ रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाएं जब पुलिस के पहरे में सुरक्षित नहीं हैं तो कहां पर होंगी। डा. रजनीश ने कहा कि जब एक बीमार महिला कैदी से जेल के अंदर ही उसे पुरुष कैदियों द्वारा प्रताड़ित किया जाता है और जेल प्रशासन इस पर कोई कार्रवाई नहीं करता तो इसका नतीजा यह निकला की पुलिस सुरक्षा के बीच पुलिस वैन में ही एक बीमार महिला के साथ दुष्कर्म हुआ।

चिरायु कार्ड न बनाए जाने पर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। चुनाव बैठक में भाग लेते हुए अनुबंधित विद्युत कर्मचारी। फोटो :हरिभूमि

नरवाना डिवीजन प्रांगण में अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ की बैठक का आयोजन राकेश शार्म व कर्मपाल सिद्ध की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में नरवाना डिविजन व सब डिवीजन की पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नरवाना डिवीजन से राकेश शर्मा अध्यक्ष, विजेंद्र, सुशील उपाध्यक्ष, प्रदीश शर्मा सचिव, सहसचिव भजन श्योकंद, नरेश श्योकंद कोशाध्यक्ष, सहसचिव भजन श्योकंद, कोषाध्यक्ष नरेश श्योकंद, संगठनकर्ता सुरेंद्र खटकड़ व शंकर सैनी, प्रवक्ता अशोक को मनोनित किया गया। इसी तरह अध्यक्ष कर्मपाल सिद्ध, उपाध्यक्ष जितेंद्र बेरवाल, जोगिंदर नांगल, सचिन धर्मवीर श्योकंद, सहसचिव प्रवीन, कोषाध्यक्ष सुनील, सहकोषाध्यक्ष अमित नैन, संगठनकर्ता अमरजीत नैन, गुलाब सिंह सर्वसहमति से नरवाना डिवीजन व सब डिवीजन की कार्यकारिणी का गठन किया गया किया गया। भारतीय मजदूर संघ के उपाध्यक्ष नरेश बालू ने कहा कि नवंबर-दिसंबर 2023 में सभी विद्युत विभाग के कच्चे कर्मचारियों के वेतन से चिरायु आयुष्मान भारत योजना के तहत कार्ड बनाने के लिए प्रति कर्मचारी 1500 रुपये की कटौती की गई थी। परंतु पांच महीने बीत जाने के बाद भी किसी कर्मचारी का चिरायु कार्ड नहीं बना है जिस कारण कच्चे कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है।

श्री श्याम लीला का सुंदर मंचन आज

जींद। श्री श्याम कृपा मंडल द्वारा 21 अप्रैल को बनखंड महादेव मंदिर की शिव बगीची में श्री श्याम लीला का सुंदर मंचन किया जाएगा। जींद में इस प्रकार का यह पहला सुंदर मंचन होगा। इस मौके पर जाने माने भजन गायक श्री श्याम बाबा का गुणगान भी करेंगे। इस श्याम लीला व संकीर्तन महोत्सव को लेकर पूरे शहर में पिछले कई दिनों से निमंत्रण बांटे जा रहे है। इसी कड़ी में शनिवार को अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के अध्यक्ष डा. राजकुमार गोयल व अन्य अतिथियों को निमंत्रण दिया गया। इस अवसर पर रोहतक रोड स्थित उनके प्रतिष्ठान पर बातचीत करते हुए संस्था के अध्यक्ष विवेक शर्मा व अन्य पदाधिकारी विक्रम गौतम, आशीष जिंदल ने बताया कि जींद में पहली बार श्री श्याम लीला का सुंदर मंचन किया जा रहा है। बिल्ला एंड पार्टी के कलाकारों द्वारा इस श्याम लीला का मंचन किया जाएगा।

नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकाली

- ड्रग मुक्ति सात दिवसीय कैंप में 32 नशा पीड़ितों की पहचान हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

जींद। नशा मुक्ति के लिए जागरूकता रैली को हरी झंड़ी दिखाते डीएसपी।

जुलाना क्षेत्र के पौली गांव में पुलिस प्रशासन द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकाली। ड्रग मुक्ति सात दिवसीय कैंप में 32 नशा पीड़ितों की पहचान हुई। जिसमें 27 नशा पीड़ितों ने अपनी मर्जी से दवा ले नशा छोड़ने की प्रतिज्ञा ली। हिसार मंडल के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डा. एम रवि किरण के मार्गदर्शन हिसार मंडल को ड्रग मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे व्यापक अभियान के तहत गांव पोली मे चल रहे नशा मुक्ति कैंप का आज सातवें दिन समापन किया। इस मौके पर गांव में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को डीएसपी जितेंद्र ढांडा ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। नशा मुक्ति टीम प्रभारी उप निरीक्षक नरेश ने बताया कि टीम ने गांव पोली में सात दिवसीय कैंप का समापन किया। डोर टू डोर सर्वे कर अबतक 36 लोगों की पहचान की है जो ड्रग की लत प्रभावित हैं, जिनमें से 27 युवाओं ने उपचार करवाया और कैंप के दौरान चार ड्रग्स पीड़ितों को नागरिक अस्पताल जींद में एडमिट कराया गया। कैंप में हेरोइन के 13, चरस और गांजा के 16 और अत्यधिक शराब का सेवन करने वाले आठ व्यक्तियों ने दवाई ली। थाना प्रभारी नवीन मोर, डा. योगेश नांदल, महावीर आर्य, जयवीर चौकीदार, अजमेर मौजूद रहे।

समाजसेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं: सुभाष चंद्र

जींद। शहर की प्रमुख सामाजिक और धार्मिक संस्था रिद्धि सिद्धि क्लब द्वारा संरक्षक राजन चिल्लाना और प्रधान सुभाष चंद्र अनेजा ने महिला विंग की अध्यक्ष संगीता छाबड़ा के साथ मिल कर श्री राधे रोटी बैंक के संचालक सुरेंद्र चौहान को सम्मानित किया गया। क्लब द्वारा दोनों को सम्मान स्वरूप सरोपा भेंट किया गया। क्लब प्रधान सुभाष अनेजा ने कहा कि संस्था द्वारा समय-समय पर समाजसेवियों को सम्मानित किया जाता है जो समाजसेवा में अपना अहम योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि समाज में सामाजिक कायार्ें की बदौलत ही हम ऐसे लोगों की जरूरत को पूरा कर पाते हैं जिन तक कोई नही पहुंचता है। समय-समय पर धार्मिक कायार्ें व अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा जब भी प्रशासन व समाज को जरूरत होती है तो क्लब सबसे आगे रह कर अहम भूमिका निभाता है। सम्मान मिलने पर सुरेंद्र चौहान ने कहा कि इस सम्मान से उन्हें समाजसेवा करने की और हिम्मत मिली है। कोषाध्यक्ष नीरज मिगलानी ने बताया की रिद्धि सिद्धि क्लब आगे भी मानव जनकल्याण कायार्ें में बढ़चढ़ कर भाग लेगा।

कानूनी शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण: प्राचार्या

- भाषण, स्लोगन लेखन व पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सफीदों

जींद। प्रतिभागी बच्चों के साथ प्राचार्या डा. तनाशा हुड्डा व अन्य। फोटो :हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय में फाइन आर्ट क्लब व लीगल लिटरेसी के संयुक्त तत्वावधान में निबंध लेखन, भाषण, स्लोगन लेखन व पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिताओं का अयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डा. तनाशा हुड्डा ने की। अपने संबोधन में डा. तनाशा हुड्डा ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ कानूनी शिक्षा भी बहुत महत्वपूर्ण है। कानूनी शिक्षा प्राप्त करके विद्यार्थी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकते हैं। बच्चों को इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। निबंध लेखन, कविता पाठ और भाषण प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डा. सुनील देवी, प्रो. धर्मेंद्र व संदीप सिंह ने, स्लोगन लेखन व पेंटिंग में डा. अंजू रानी शर्मा, सरबजीत व प्रो. अजय प्रकाश ने व पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन में प्रो. रीनू, प्रो. कीर्ति व प्रो. प्रदीप मान ने अदा की। प्रतियोगिता के विषय समान्य अधिकारों की जानकारी, मौलिक कर्तव्य, बाल विवाह आदि रहे।

स्लोगन लेखन में प्रथम स्थान पर रमन, द्वितीय स्थान पर खुशी व तृतीय स्थान पर मौसम रहे। कविता पाठ में प्रथम स्थान पर शिवम, द्वितीय स्थान पर खुशी व तृतीय स्थान पर भावना रहीं।

जींद। जागरूकता अभियान चलाते समिति के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

हर आदमी सजग होगा तो स्वच्छता अवश्य रहेगी

जींद। सामाजिक संस्था सोसाइटी फोर एडवांसमेंट ऑफ विलेज एंड अर्बन इंवायरमेंट सेव ने शनिवार दोपहर सफीदों रोड हनुमान मंदिर, अटल पार्क से स्कीम नंबर पांच तक एरिया में स्वच्छता अभियान और जागरूकता अभियान चलाया। सेव संस्था द्वारा चलाए गए 377 वें अभियान में संस्था के प्रधान नरेंद्र नाडा की अध्यक्षता में संस्था सदस्यों ने स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया। संस्था के सदस्यों ने लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि स्वच्छता विकास की पहली सीढ़ी है और स्वच्छता के बिना विकास भी नजर नहीं आता है। इसलिए हर आदमी ने स्वच्छता में अपना योगदान देना चाहिए। हर प्रकार का कूड़ा डस्टबिन में डालकर रखना चाहिए और नगर परिषद की गाड़ी को देना चाहिए। यदि हर आदमी स्वच्छता के प्रति सजग होगा तो स्वच्छता अवश्य रहेगी। गंदगी से हमारे शहर पर ग्रहण लगता है और बीमारियां फैलती हैं। इसलिए हर आदमी ने स्वच्छता रखनी चाहिए और हर प्रकार का कूड़ा डस्टबीन में डालना चाहिए। इस मौके पर सुल्तान सिंह आर्य, अजमेर चौहान, बलबीर सिंह, महेश सैनी नंबरदार आदि मौजूद रहे।

राजकीय महिला महाविद्यालय में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। होनहार छात्रों को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

राजकीय महिला महाविद्यालय में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्यअतिथि राजकीय महिला महाविद्यालय कलायत के प्राचार्य राजेश कुमार सैनी रहे। समारोह की अध्यक्षता प्राचार्य जयनारायण गहलावत ने की। उन्होंने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। जिसमें महाविद्यालय द्वारा वर्षभर में की गई उपलब्धियों का ब्योरा दिया गया। इस समारोह में शैक्षणिक, खेलकूद, सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि इस महाविद्यालय की दो छात्राओं काजल व संध्या द्वारा सीनियर हैंडबाल प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर पदक हासिल किए तथा प्रियंका द्वारा राष्ट्रीय स्तर तैराकी प्रतियोगिता में पदक प्राप्त किया। एक अनूठी पहल करते हुए महाविद्यालय ने इन विजेता छात्राओं को 4100 व 3100 रुपये का नगद पुरस्कार महाविद्यालय की तरफ से देकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली तीन छात्राओं को रोल ऑफ ऑनर एवं 150 छात्राओं को कॉलेज कलर से विभूषित किया गया। शैक्षणिक गतिविधियों के लिए प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को 900 रुपये की नगद राशि प्रदान की गई। सांस्कृतिक गतिविधियों में विजेता छात्राओं को सम्मानित किया गया। मुख्यअतिथि राजेश सैनी ने विजेता छात्राओं को बधाई दी और कहा कि भविष्य में इन छात्राओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का परचम लहराने का प्रयास करना चाहिए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर डा. मनोज कुमार, डा. सुमिता आशरी, डा. राजेश बूरा, सह प्रो. नरेंद्र कुमार, पूर्व प्राचार्य डा. पुष्पलता, डा. पीआर गर्ग, आरडी यादव, बलवान सिंह, महिपाल, दयानंद तथा महाविद्यालय काउंसिल सदस्य अनूप मोर, जितेंद्र कुमार, अल्पना शर्मा, डा. मनीषा दलाल सहित अन्य प्राध्यापक मौजूद रहे।

जींद। कार्यशाला में भाग लेते हुए छात्र। फोटो :हरिभूमि

एडमिनिस्ट्रेटिव लिट्रेसी एंड सिटीजन इंगेजमेंट पर कार्यशाला

जींद। राजकीय महाविद्यालय में लोक प्रशासन एवं राजनीति शास्त्र विभाग के संयुक्त प्रयास से कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय एडमिनिस्ट्रेटिव लिट्रेसी एंड सिटीजन इंगेजमेंट था। कार्यशाला में रिसोर्स प्रर्सन के तौर पर राजकीय महिला महाविद्यालय के सहायक प्रो. मोहित रांगी रहे। उन्होंने प्रशासनिक साक्षरता एवं प्रशासनिक भूमिका का आम आदमी और मुख्यत विद्यार्थी के जीवन पर महत्व पर अपने विचार दिए। कार्यशाला में प्राचार्य सत्यवान मलिक ने एडमिनिस्ट्रेटिव लिट्रेसी का छात्रों के जीवन पर प्रभाव एवं महत्व पर विचार दिए। लोक प्रशासन विभाग से डा. युद्धवीर, डा. विजयवीर तथा राजनीति शास्त्र विभाग से सुशीला रानी व दोनो विभागों के छात्रों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

खबर संक्षेप

2024 के चुनावों में युवाओं की रहेगी अहम भूमिका

पूंडरी। जोगी समाज के जिलाध्यक्ष अमित जोगी ने कहा

कि 2024 के चुनावों में युवाओं की अहम भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि युवा ही किसी देश की दशा एवं दिशा बदलने में निर्णायक होते है। युवा को अगर सही दिशा मिलेगी तो विकसित भारत बनने का लक्ष्य जल्द पूरा होगा। आज एक भेंटवार्ता में उन्होंने कहा कि युवा किसी भी देश के लिए आशीर्वाद समान है। देश के युवाओं को सशक्त किए बिना हम प्रगति और विकास के बारे में सोच भी नहीं सकते। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति की शक्ति सबसे अलग और तेज है। उन्होंने कहा कि युवा एक ऐसी शक्ति है, जो जिस राष्ट्र के पास हो वह किसी भी परिस्थिति में स्वयं को सशक्त और समृद्ध बना सकता है। युवा शक्ति ही विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में अपना योगदान देगी। युवा तरूणाई ही देश का भविष्य तय करेगी।

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला कार्यकारिणी की विस्तारित मीटिंग आयोजित

राज्य सरकार नहीं दे रही कर्मचारियों की समस्याओं की तरफ ध्यान : कृष्ण शर्मा

- मांगों को लेकर किए जा रहे आंदोलन के प्रति सरकार का रूख सुनवाई न करने का बना हुआ है। सुनकर मांगों का समाधान करने की बजाय सरकार दमनात्मक कार्रवाई कर रही है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन संबद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला कार्यकारिणी की विस्तारित मीटिंग जवाहर पार्क स्थित संगठन कार्यालय में की गई। इसकी अध्यक्षता जिला प्रधान पृथ्वी सिंह ने व संचालन जिला सचिव राजकुमार नापा ने किया।

मुख्य वक्ता के तौर पर बोलते हुए राज्य महासचिव जरनैल व प्रांतीय चेयरमैन कृष्ण शर्मा ने कहा कि कर्मचारियों से संबंधित ज्वलंत मांगें व समस्याएं काफी समय से लम्बित हैं, जिनका सरकार के द्वारा बार बार मांग करने के बावजूद समाधान नहीं किया जा रहा है। लगातार यूनियनों के द्वारा किए जा रहे आंदोलनों की अनदेखी की जा रही है, जिसके कारण कर्मचारियों में भारी रोष है। पुरानी पेंशन की बहाली, कच्चे कर्मचारियों को नियमित करना, कौशल रोजगार निगम को भंग करना, विभागों की पुरानी वेतन विसंगतियों का समाधान करना जो कि सरकार की नीतियों के कारण और ज्यादा बढ़ती ही जा रही हैं आदि मांगों का समाधान तुरंत करने की जरूरत है परन्तु विभागीय संगठनो के द्वारा इन मांगों को लेकर किए जा रहे आंदोलन के प्रति सरकार का रूख सुनवाई न करने का बना हुआ है। सुनकर मांगों का समाधान करने की बजाय सरकार दमनात्मक कार्रवाई कर रही है। कर्मचारियों की मांग न होने के बावजूद भी जबर्दस्ती कच्चे कर्मचारियों को कौशल रोजगार निगम में भेजा जा रहा है।

कैथल। बैठक में भाग लेते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

विभागों में अनियमित कर्मचारियों की संख्या लाखों में पहुंच गई है। जिनके न तो वेतन ही पर्याप्त हैं, ना ही किसी प्रकार की नौकरी की सुरक्षा की गारन्टी है, ना ही उनको किसी प्रकार के भत्ते व अन्य लाभ दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के द्वारा नियमितीकरण की कोई नीति नहीं बनाई गई है। सरकार ऐसी नीति बनाएं जिसमें 2 साल से कार्यरत सभी प्रकार के कच्चे कर्मचारी नियमित हो सकें। कौशल रोजगार निगम को सरकार भंग करे क्योंकि इसका कच्चे कर्मचारियों व सरकार को कोई लाभ नहीं है। किसी भी प्रकार का कार्य ठेके पर ना दिया जाए। बल्कि विभागों में बढ़ती जनसंख्या के चलते बड़े हुए वर्कलोड के आधार पर नए पदों का निर्माण किया जाए और खाली पदों पर पूरे वेतनमान के साथ अकादमिक मेरिट से नियमित भर्तियां की जाए। भर्ती और पदोन्नति में बैकलॉक भरा जाए। इस अवसर पर की राज्य उपप्रधान ओमपाल , जिला कैशियर रमेश कोलेखा, सह सचिव पवन शर्मा, राजेंद्र शर्मा व शिवदत्त शर्मा सहित काफी कर्मचारी मौजूद रहे।

पूंडरी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करती प्राचार्या साधना बख्शी।

महात्मा हंसराज शिक्षाविद के साथ ही त्याग की मूर्ति थे : साधना

- महात्मा हंसराज जी ने सन 1889 में दयानंद एंग्लो वैदिक हाई स्कूल की स्थापना लाहौर में की थी
- देश-विदेश के आर्य समाजियों की जो पहली कॉन्फ्रैंस भारत में हुई थी महात्मा जी उसके अध्यक्ष चुने गए थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

डीएवी पब्लिक स्कूल पुंडरी के प्रांगण में प्रसिद्ध शिक्षाविद समाज सुधारक एवं डीएवी के संस्थापक महात्मा हंसराज जी के जन्मदिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता स्कूल की प्राचार्य साधना बक्शी ने की। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्राचार्या ने कहा कि महात्मा हंसराज जी एक महान शिक्षाविद होने के साथ-साथ त्याग मूर्ति और प्रमुख समाज सुधारक थे। महात्मा हंसराज जी ने सन 1889 में दयानंद एंग्लो वैदिक हाई स्कूल की स्थापना लाहौर में की थी और उन्होंने यहां बिना वेतन लिए प्रधानाचार्य के पद पर कार्य किया। इसके बाद उनको दयानंद कॉलेज प्रबंधन समिति का अध्यक्ष चुना गया। महात्मा हंसराज जी ने अपना पूरा जीवन समाजसेवा के लिए समर्पित कर दिया। देश-विदेश के आर्य समाजियों की जो पहली कॉन्फ्रैंस भारत में हुई थी महात्मा जी उसके अध्यक्ष चुने गए थे। आधुनिक भारत में स्वामी दयानंद जी के सच्चे शिष्य के रूप में उनके आदशोंर् को जन-जन तक पहुंचाने का बीड़ा उन्होंने उठाया था। हम सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए आज देश-विदेश में डीएवी संस्था उच्च एवं गुणात्म शिक्षा की ज्योति जला रही है। इस अवसर पर स्कूल के स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

गणमान्य लोगों ने भगवान विश्वकर्मा के संदेशों पर चलने का संकल्प किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कलायत

कलायत के आदर्श गांव बालू में शनिवार को भगवान विश्वकर्मा प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा उपलक्ष्य में भव्य धार्मिक समारोह का आयोजन हुआ। उत्सव की तरह आयोजित आयोजन में कलायत से प्रीत धीमान, महेंद्र धीमान भूषण धीमान, धर्मपाल धीमान, जसवीर धीमान, बाबा लदाना से जानी धीमान, कुरुक्षेत्र से विश्वकर्मा धीमान ब्राह्मण महासभा प्रधान सुंदरलाल धीमान, सचिव राजकुमार धीमान, कोषाध्यक्ष बलराम धीमान, कैथल प्रधान सुरेंद्र धीमान, देशराज धीमान और अन्य गणमान्य लोगों ने शिरकत करते हुए भगवान विश्वकर्मा के संदेशों पर चलने का संकल्प किया।

कलायत। बालू में गणमान्य लोगों को सम्मानित करते कार्यक्रम आयोजन-संयोजक

आयोजन-संयोजन की कमान बालू गांव की इकाई के हाथ रही। मेजबान करते हुए रामचंद्र धीमान, अनिल कुमार, मकन्दी धीमान, टेका धीमान, राजेंद्र धीमान, सोमा धीमान, रामदिया धीमान, रामू, जोगेंद्र धीमान, जयमल, सुनिल, जयदीप, पंकज, पवन, नरेश, रमेश, बीरा व दूसरे बड़े-बुजुर्गों ने मेहमानों का पुरजोर अभिनंदन किया। उन्होंने बताया कि 19 अप्रैल को तय कार्ययोजना अनुसार गांव बालू में प्रतिमा की शोभायात्रा निकाली गई। 20 अप्रैल को प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा अवसर पर पूजा-अर्चना और भंडारा की परंपरा का निर्वहन किया गया। मंच संचालन की कमान प्रीत धीमान के हाथ रही।

आ योजन में राज्य भर से पहुंचे पदाधिकारियों और गणमान्य लोगों ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा दुनिया के पहले इंजीनियर हैं। उनके द्वारा दिए गए मूल मंत्र से ही आज सुई से लेकर जहाज तक का निर्माण हो रहा है। इसलिए देश-दुनिया के विकास में भगवान विश्वकर्मा के संदेश आज भी मार्ग दर्शन का काम करते हैं। महान विभूतियों के जीवन दर्शन को जन-जन तक पहुंचाना जरूरी है। कार्यक्रम में शिक्षा के प्रचार-प्रसार पर मुख्य रूप से फोक्स रहा। इसके साथ ही समाज में फैली विभिन्न कुरीतियों को जड़ से उखाड़ने के लिए अभियान चलाने की अपील की गई। इस सोच का महिलाओं, बड़े-बुजुर्गों और युवाओं ने पुरजोर समर्थन किया।

आयोग ने तकनीक के युग में उठाए बड़े कदम : डीसी

कैथल। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रशांत पंवार ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता सर्वोपरि होता है और मतदाता को सशक्त बनाने के लिए चुनाव आयोग ने तकनीक के युग में बड़े कदम उठाए हैं। चुनाव में मतदाता अपने लोकसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं की प्रोफाइल से अवगत हों, इसके लिए आयोग ने स्पेशल केवाईसी (नो योर कैंडिडेट) एप की शुरूआत की है जिसके मतदाता चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के नामांकन में दर्ज जानकारी को देख सकते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा जारी एप के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए स्वीप गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है। आयोग द्वारा केवाईसी एप शुरू की गई है जो चुनाव प्रक्रिया में काफी अहम रोल रखती है।

रंगोली मेकिंग में पुष्पलता-पोस्टर मेकिंग में हिमांशी ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय के लीगल सैल द्वारा रंगौली मेकिंग, स्लोगन राइटिंग, पोस्टर मेकिंग एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। लीगल सेल की कन्वीनर डा. निधि ने बताया कि इन सभी प्रतियोगिताओं व कार्यक्रमों को रा'य स्तरीय लीगल सर्विस अथॉरिटी व शिक्षा विभाग हरियाणा की कैंपेन स्टूडेंट लीगल लिटरेसी मिशन के तत्वाधान में छात्राओं को लीगल रूल्स व अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए किया गया है। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. मधुबाला ने प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया। सभी प्रतियोगिताओं में लगभग 100 छात्राओं ने भाग लिया। प्राचार्या द्वारा सभी विजेताओं को प्रमाण पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। डा. गीता जैसवाल, डा. रीना गोरा, डा. अनु एवं डा. सोनिया ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहे भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान स्वाति, द्वितीय स्थान हिमांशी एवं तृतीय स्थान सलोनी ने प्राप्त किया। रंगौली मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पुष्पलता, द्वितीय स्थान अनुष्का एवं तृतीय स्थान कोमल ने प्राप्त किया। स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हिमांशी, द्वितीय स्थान प्रियंका एवं तृतीय स्थान पुष्पलता ने प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हिमांशी, द्वितीय स्थान वंदना एवं तृतीय स्थान अनुष्का ने प्राप्त किया।

पूंडरी। विजेताओं को प्रमाण पत्र द्वारा सम्मानित करती प्राचार्या डा. मधुबाला।

पूंडरी। बैठक में भाग लेते हुए रिटायर्ड कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

सरकार रिटायर्ड कर्मियों की मांगों को शीघ्र पूरा करें: रमेश हरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

रिटायर्ड कर्मचारी संघ ब्लॉक पूंडरी की बैठक ब्लॉक प्रधान रघुबीर सिंह करोड़ा की अध्यक्षता में वृद्ध आश्रम फतेहपुर में हुई। जिसमें विशेष रूप से जिला प्रधान रमेश हरित व धूप सिंह सिरोही ने भाग लिया। जिसमें रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों और समस्याओं पर विचार-विमर्श किया। बैठक में प्रधान रमेश हरित ने कहा कि सरकार रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों को 10 वषार्ें से अनदेखा कर रही है, बार-बार एमएलए, सांसद व उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को मांगों का ज्ञापन दे चुके हैं, परंतु कोई न तो उनसे कोई बातचीत की न ही उनकी समस्याओं का हल निकाला गया। हरियाणा में सरकारी विभागों, बोडार्ें व निगमों से लगभग तीन लाख रिटायर्ड कर्मचारी है और उनके परिवार उनके साथ है। अब चुनाव में मौजूदा सरकार से अपनी मांगों का हिसाब मांगेंगे। सरकार उनकी मांगों बढ़ती आयु में 5 से 15 प्रतिशत की पैंशन बढ़ोतरी की जाये, मेडिकल कैशलैस सुविधा दी जाये, 3 हजार रूपये प्रतिमाह मेडिकल भत्ता दिया जाए, कम्युटेशन की कटौती 15 वर्ष की बजाय 12 वर्ष की जाए, किसानों व मजदूरों के लिए सामाजिक सुरक्षा की जाए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 बंद की जाए, सरकार निजिकरण करना बंद करें, पुरानी पेंशन बहाल करें।

ये रहे मौजूद

बैठक में जगजीत सिंह वालिया, मा. सोहन लाल धीमान, सुरेंद्र मोहन परमार, सुभाष वालिया, मा. नानक चन्द, मलखान सिंह, सुल्तान सिंह मुंदड़ी, मा. यशपाल फतेहपुर, जयभगवान पूंडरी भी मौजूद थे।

ढांड और पूंडरी मंडी के आढ़ती राजनीतिक प्रभाव में आकर अदानी के एजेंट बने: विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

जिला पार्षद प्रतिनिधि एवं युवा नेता विकास तंवर ने बताया कि ढांड के हैफेड और एफसीआई के गोदामों में करीब 5-6 दिन पहले बारदाना आ चुका है और ढांड के गोदामों में पहुंच चुका है। दोनों मंडियों के प्रधानों ने बारदाना लेने से मना कर दिया था, क्योंकि बिना कुछ किए बैठे-बैठे ही आढ़त उनके खाते में आ जाएगी, किसान जाए भाड़ में। जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि ढांड और पूंडरी मंडी के प्रधान, एक चमची व हल्का विधायक के प्रभाव में आकर अदानी के एजेंट बने हुए हैं। पूंडरी मंडी के प्रधान ने अख़बार में न्यूज निकलवा दी कि सारे किसान अपना अनाज अडानी की लाइनों में लगकर बेचें और ढांड मंडी के प्रधान ने एक चैनल को दी बाईट में बेशर्म होकर अडानी में फसल डालने की बोल रहे हैं। विकास तंवर ने कहा कि यह लोग अडानी गोदाम में खड़े होकर अडानी की मार्किटिंग में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि 50 प्रतिशत से अधिक ट्रालियां रिजेक्ट होकर वापिस जा रही हैं, सारे किसान इनके किराए, लोडिंग और अनलोडिंग का किराया इन मंडी प्रधानों से और दुकान पर अनाज डालने से मना करने वाले आढ़तियों से वसूल करें, क्योंकि अगर आढ़ती फसल मंडी में डालने से मना करता है तो वो आढ़ती किस नाम का है और आढ़त की रक़म पर उसका क्या हक है। विकास तंवर ने कहा कि जब अपना तेल या किराया फूंककर लाइनों में किसान लगा है, तो आढ़त पर भी किसान का हक बनता है।

पूंडरी। जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों के साथ युवा नेता विकास तंवर।

नैतिकता से समाज व राष्ट्र का विकास : गौड़

कैथल।भारत भूमि महान है। अवतारों महापुरुषों ऋषि मुनियों विद्वानों ने इसको महान बनाया। वीर वीरांगनाओं ने यहां जन्म लिया। रामायण, महाभारत, वेद, पुराण उपनिषद, गीता, गुरु ग्रंथ साहब ने हमारा मार्गदर्शन किया। तभी भारत सोने की चिड़िया कहलाया। संसार ने यहां से बहुत कुछ अपनाया लेकिन अब पहले जैसा वातावरण नहीं रहा। इसका कारण है नैतिक पतन। नैतिकता समाप्ति की ओर अग्रसर हो रही है यही कारण है कि विचार भी दूषित हो रहे हैं। संगीतज्ञ मास्टर श्याम सुंदर गौड़ ने कहा कि नैतिकता पतन के कई कारण हो सकते हैं। इनमें शिक्षा पद्धति में बदलाव तथा सोशल मीडिया भी शामिल है। आज के युवा वर्ग का पाश्चत्य सभ्यता के प्रति आकर्षण युवा पीढ़ी को सद्विचार और साधारण वेशभूषा नहीं भा रही है।

बोनी मान ने सभा में बोले गए शब्दों पर मांगी माफी

कैथल। पूर्व मंत्री तेजेंद्र पाल मान के बेटे बृजेंद्र मान उर्फ बोनी मान ने पूर्व सांसद व कुरुक्षेत्र लोकसभा से भाजपा के उम्मीदवार नवीन जिंदल पर अपमान करने का आरोप लगाया है। बोनी मान ने एक सभा के दौरान दिए गए भाषण में कुछ शब्दों पर आपत्ती जताने के बाद हलका के लोगों से हाथ जोड़कर माफी भी मांगी है। शनिवार को जिमखाना में आयोजित पत्रकार वार्ता में बोनी मान ने खड़े होकर सर झुका लिया और माफी मांगी। बोनी मान ने कहा कि अगर माफी मांगने के बाद भी चुनाव अधिकारी या उनके विरोधी खुश नहीं है तो वह गिरफ्तारी देने के लिए भी तैयार हैं। बोनी ने कहा कि जब नवीन जिंदल को कुरुक्षेत्र लोकसभा से टिकट देने की बात चली तो उन्होंने जिंदल को व्हाट्सएप पर बधाई दी।

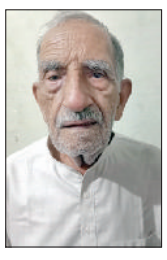

राजौंद। कार्यक्रम में बोलते हुए कॉलेज स्टाफ व स्टूडेंट। फोटो : हरिभूमि

द मर्चेंट ऑफ वेनिस पर प्रेजेंटेशन का आयोजन

- इस प्रेजेंटेशन में लगभग 30 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजौद

राजकीय महाविद्यालय राजौंद में वाइब्रेट लर्निंग क्लब अंग्रेजी विभाग के तत्वाधान में बीए तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय क्लासरूम प्रेजेंटेशन का आयोजन किया गया। प्रेजेंटेशन का विषय विलियम शेक्सपियर द्वारा रचित नाटक /"द मर्चेंट ऑफ वेनिसः ए ट्रेजी-कॉमेडी/" था। इस प्रेजेंटेशन में लगभग 30 विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया व अपने अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम की शुरूआत कल्ब के मेंटर एवं महाविद्यालय प्राचार्य राम मेहर सिंह की अभिप्रेरणा के साथ हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने अपनी बेहतरीन प्रस्तुति देते हुए बताया कि द मर्चेंट ऑफ वेनिस की संरचना आंशिक रूप से रिश्तों और समाज के बारे में आदर्शवादी और यथार्थवादी विचारों के बीच अंतर पर आधारित है एक ओर, नाटक हमें बताता है कि प्यार पैसे से अधिक महत्वपूर्ण है, दया बदला लेने से बेहतर है, और प्यार हमेशा के लिए रहता है। इस कार्यक्रम को संयोजित करने का श्रेय वाइब्रेंट लर्निंग क्लब के सदस्य बीए तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को जाता है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विक्रम सहायक प्राध्यापक इतिहास, सुदेश सहायक प्राध्यापक राजनीतिक विज्ञान एवं लाइब्रेरी सहायक दीपक ने अहम भूमिका निभाई।

यातायात नियम | दोपहिया वाहन पर हेलमेट व चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट का प्रयोग करना सुरक्षा कवच

सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए यातायात नियमों की सभी करें पालना: एसपी

- हेलमेट और सीट बैल्ट ये दो सुरक्षा कवच वाहन चलाते समय किसी प्रकार से असुविधा के कारण दुर्घटना हो जाने पर अपनी जिन्दगी को बचाते है
- निर्धारित सीट के अलावा सवारी ना बैठाये क्योंकि इससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

यातायात के नियमों की पालना ना करने कारण कई बार अप्रिय घटना घट जाती है, जिससे भारी जान माल की हानि उठानी पड़ती है। सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए जिला वासियों से यातायात नियमों की पालना करने बारे एसपी उपासना द्वारा अपील की गई है। एसपी ने कहा कि माता-पिता 18 वर्ष से कम की आयु के बच्चों को मोटरसाईकिल इत्यादि सार्वजनिक स्थान पर चलाने के लिए ना दें क्योंकि इससे आपको और बच्चो व दूसरे वाहन चलाने वालों को खतरा रहता है। ड्राइविंग सीखते समय अपनी कार के पीछे एल का निशान जरूर लगवायें। वाहन का प्रयोग करते समय दो पहिया वाहन पर हेलमेट और चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट का प्रयोग जरूर करें। क्योंकि यह दो सुरक्षा कवच वाहन चलाते समय किसी प्रकार से असुविधा के कारण दुर्घटना हो जाने पर अपनी जिन्दगी को बचाते है।

अधिकतर इन दोनो सुरक्षा कवच से जिन्दगी बच जाती है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने व वाहनों को सुचारू रूप से आवागमन हेतु यह जरूरी है कि वे सभी यातायात नियमों का पालन करे। दुपहिया, ऑटो, कार गाड़ी, भारी वाहन अपनी निर्धारित लेन मे ही वाहन चलाए। निर्धारित सीट के अलावा सवारी ना बैठाये क्योंकि इससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन भी होता है। एसपी उपासना ने कहा कि आमजन वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों के प्रति लापरवाही बरतते है जिस लापरवाही की वजह से हम खुद को दूसरों को और अपने परिवार के साथ धोखा करते है जिससे कि जान माल का नुकसान भी होता है। एसपी ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य चालान काटने का नही है बल्कि आमजन की जिंदगी बचाना है। सडको पर होने वाली दुर्घटनाओं में होने वाले जानमाल के नुकसान को कम करने के लिए पुलिस कटिबद्ध है। समाज के एक जिम्मेदार व समझदार नागरिक होने के नाते ट्रैफिक नियमों की पालना करें खुद की जिंदगी और अपनें परिवार की जिन्दगी को सुरक्षित रखें ।

श्री सनातन धर्म मंदिर में मां भद्रकाली का चौदस का भंडारा 22 अप्रैल को

कैथल। श्री सनातन धर्म सभा के प्रधान रवि भूषण गर्ग ने एक वक्तव्य में बताया की मां भद्रकाली का चौदस का भंडारा दिनांक 22 अप्रैल को मंदिर के प्रांगण में होगा। इस दिन मां दुर्गा के 108 रूपो का पूजन करते हुए 108 कन्याओं का पूजन किया जाएगा। उसके पश्चात उनको प्रसाद दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा की जो भक्त कन्या का पूजन अपनी ओर से करना चाहे वह मंदिर के कार्यालय में संपर्क करें और अपनी ओर से कन्या का पूजन करें।12:00 बजे मां भद्रकाली के भंडारे का शुभारंभ होगा सभी भक्तों से निवेदन किया है कि आप आए और मां भद्रकाली के भंडारे में प्रसाद लेकर मां का आशीर्वाद प्राप्त करें।

सूचना

मैं, जितेन्द्र पुत्र श्री अमन कुमार निवासी वार्ड नंबर-13, रेलवे लाईन पार जुलाना तहसील जुलाना जिला जींद बयान करता हूं कि मेरी पुत्री प्रिया मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

सीएलजी ने निपटाया भाइयों का विवाद

जींद। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत प्राप्त हुई जिसमें परिवादी मोनू ने बताया कि वो तीन भाई हैं। उसकी दादी ने मेरे नाम खेत की जमीन दो एकड़ करवा दी थी। उसके हिस्से में में लगभग दो एकड़ जमीन आती है लेकिन उसके भाई और पिता मिलकर उसकी सारी फसल छीन लेते हैं और उसके साथ मार पिटाई भी करते हैं। दोनों पक्षों को बुला कर सुना गया और समझाया गया और उन्हें कानूनी तथ्यों से अवगत करवाया गया।

पंकज भाजपा युवा मोर्चा उचाना मंडलध्यक्ष बने

उचाना। भाजपा युवा मोर्चा जींद जिलाध्यक्ष गौरव भारद्वाज द्वारा जिले के युवा मोर्चा मंडल अध्यक्षों की सूची जारी की। उचाना मंडलध्यक्ष की जिम्मेदारी उचाना नपा वार्ड नंबर-5 के पार्षद पंकज गर्ग करसिंधु, छात्तर मंडलध्यक्ष की जिम्मेदारी कसूहन गांव के सरपंच प्रतिनिधि श्रीकांत अत्री, अलेवा मंडलध्यक्ष की जिम्मेदारी दीपक नंबरदार को सौंपी गई। पंकज गर्ग करसिंधु ने कहा कि जो जिम्मेदारी दी गई है उसको निष्ठा से निभाने का काम करेंगे।

महावीर जयंती पर निकाली जाएगी प्रभात फेरी आज

उचाना। आगामी 21 अप्रैल को भगवान महावीर जयंती पर श्री तेरापंथ भवन से प्रभात फेरी निकाली जाएगी। प्रभात फेरी के समापन पर महासाध्वी ज्ञान प्रभा महाराज द्वारा मंगल पाठ सुनाया जाएगा। सुबह 5 बजकर 15 मिनट से शुरू होने वाले ये प्रभात फेरी पूरे शहर के बाजारों से होकर एसबीआई बैंक के पास भगवान महावीर चौक पर सम्पन्न होगी। महासाध्वी ज्ञान प्रभा ने कहा कि भगवान महावीर ने जो हमें अहिंसा का रास्ता दिखाया है उस रास्ता पर चलना चाहिए। जीवन में सबसे बड़ा सत्य मौत है। इस सत्य को मानते हुए जीवन में अच्छे कर्म करने चाहिए। अहिंसा के रास्ते पर चलते हुए अच्छे कर्म जीवन में करने चाहिए।

मजदूर दिवस मनाने को लेकर बैठक आयोजित

जुलाना। भामाशाह पार्क में रिटायर्ड कर्मचारी संघ और सर्व कर्मचारी संघ इकाई की बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता मजदूर नेता सुभाष पांचाल और ईश्वर ठाकुर ने की। शनिवार को जुलाना में हुई बैठक में मजदूर दिवस मनाने पर चर्चा की गई। इसके अलावा यूनियन इकाई द्वारा मजदूरों, सफाई कर्मचारी, रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों पर भी चर्चा की गई। सुभाष पांचाल ने कहा कि पिछले कई वर्षों से यूनियने अपनी मांगों को मनवाने के लिए प्रयासरत हैं। इस मौके पर ईश्वर ठाकुर, सुभाष पांचाल, रणवीर, श्रीवास, रमेश दरोगा, सुल्तान जांगड़ा, सुरेश करसोला, संजय आदि मौजूद थे।

कैथल: मंडियों में 4 लाख 28 हजार 792 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

आवक अधिक, उठान कम, व्यापारी-किसान परेशान

उठान कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश

पक्के फड़ पर जगह न रहने से गेहूं मंडी के साथ लगती कच्ची जगह पर भी डाली जा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। अनाज मंडी में पड़ा गेहूं। *फोटो :हरिभूमि*

- अनाज मंडियों और अनाज खरीद केंद्रों का दौरा कर ले रहे जायजा
- उचाना में 10 अनलोडिंग प्वायंट की जगह मिले केवल चार अनलोडिंग प्वायंट
- सबसे ज्यादा परेशानी उठान को लेकर, अधिकारी दे रहे दिशा-निर्देश

मौसम साफ होने के कारण गेहूं का सीजन फिर से चरम पर पहुंच गया है। कैथल की नई तथा पुरानी अनाज मंडी पूरी तरह से गेहूं की बोरियों से भर चुकी है। आवक अधिक और उठान कम होने के कारण आढ़तियों और किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पक्के फड पर जगह न रहने के कारण गेहूं मंडी के साथ लगती कच्ची जगह पर भी डाली जा रही है। ऐसे में कच्ची जगह पर गेहूं डालने से किसानों और आढ़तियों को गेहूं खराब होने का भय भी सता रहा है। किसानों का मानना है कि ऐसे में यदि मौसम खराब हो जाए तो उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है।

प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार जिला में विभिन्न एजेंसियों द्वारा अब तक 4 लाख 28 हजार 792 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद गई है। जिला में गेहूं की कुल आवक में से 1 लाखा 17 हजार 250 मीट्रिक टन गेहूं खाद्य एंव आपूर्ति विभाग द्वारा, 1 लाख 92 हजार 726 हैफेड द्वारा, एफसीआई द्वारा 11 मीट्रिक टन तथा 1 लाख 18 हजार 805 मीट्रिक टन गेहूं हरियाणा वेयरहाउसिंग कोपोरेशन द्वारा खरीदा गया है। उन्होंने बताया कि खरीदे गए धान में से 1 लाख 38 हजार 858 मीट्रिक टन गेहूं का उठान किया जा चुका है।

डीसी प्रशांत पंवार ने बताया कि अगोंध मंडी में 5172 मीट्रिक टन, अरनोली में मंडी में 4327 मीट्रिक टन, बाबा लदाना में 9582 मीट्रिक टन, बड़सिकरी खुर्द 3208, बलबेहड़ा मंडी में 780 मीट्रिक टन, बालू में 6339, बरटा 4578, बाउपुर मंडी में 1076 मीट्रिक टन, भागल में 4144, भूसला मंडी में 2335 मीट्रिक टन, चीका मंडी में 71 हजार 870 मीट्रिक टन, डीग में 622 मीट्रिक टन, फर्शमाजरा में 3228, गोहरां में 4667, गुहणा मंडी में 2189 मीट्रिक टन, हाबड़ी मंडी में 5338, जाखौली मंडी में 7570 मीट्रिक टन, कैलरम में 3440 मीट्रिक टन, कैथल पुरानी मंडी में 8628 मीट्रिक टन, कैथल नई अनाज मंडी में 37 हजार 9 मीट्रिक टन, कैथल अतिरिक्त नई अनाज मंडी में 38 हजार 666 मीट्रिक टन, कलायत अनाज मंडी में 41 हजार 469, कमेहड़ी अनाज मंडी में 764 मीट्रिक टन, कांगथली में 5624 मीट्रिक टन, करोड़ा में 5659 मीट्रिक टन, क्योड़क में 5914 मीट्रिक टन, किठाना में 16 हजार 284 मीट्रिक टन, पाड़ला में 4291 मीट्रिक टन, पाई 12823, पूंडरी में 23269 मीट्रिक टन, राजौंद अनाज मंडी में 18 हजार 120 मीट्रिक टन, रामथली में 12459 मीट्रिक टन, रसीना में 2076 मीट्रिक टन, सजूमा में 1458 मीट्रिक टन, सांघन अनाज मंडी में 4684 मीट्रिक टन, सेरधा में 3721, सीवन में 13067 मीट्रिक टन तथा सोलू माजरा अनाज मंडी में 32 हजार 342 मीट्रिक टन गेहूं खरीद की गई। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि मंडी में अपनी फसल को पूरी तरह से सुखाकर लाएं, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हो।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

इस बार गेहूं की बंपर पैदावार को लेकर मंडियों, खरीद केंद्रों में उठान को लेकर समस्या खड़ी हो गई है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा के निर्देशानुसार मंडियों में उठान को लेकर आ रही शिकायतों को लेकर संबंधित मंडियों के नोडल अधिकारियों ने मंडियों में जाकर खरीद व उठान कार्य का जायजा लिया। एसडीएम मनीष कुमार फोगाट ने शनिवार को सफीदों उपमंडल की लगभग आधा दर्जन अनाज मंडियों, अन्न खरीद केंद्रों का दौरा कर गेहूं खरीद व उठान कार्यों में और तेजी लाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। एसडीएम ने अपने दौरे के दौरान सफीदों की अनाज मंडी, हाट, पिल्लूखेड़ा समेत उपमंडल की लगभग आधा दर्जन अनाज मंडियों, खरीद केंद्रों पर पहुंच कर गेहूं खरीद से जुड़ी एजेंसियों के अधिकारियों व लिफ्टिंग के कार्य में लगे ठेकेदारों को कहा कि अनाज मंडियों में एक साथ अधिक मात्रा में गेहूं आने के कारण मंडियों में व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए गेहूं के उठान कार्य में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि गेहूं खरीद के बाद तय समय सीमा में उठान का कार्य करना सुनिश्चित किया जाए ताकि मंडियों में आवागमन बाधित नहीं हो और खरीद प्रक्रिया समुचित चलती रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि मंडियों में व्यापारियों और किसानों को कोई समस्या आती है तो प्राथमिकता के आधार पर उसका समाधान किया जाए। इतना ही नहीं फसल की राशि का भुगतान भी नियमानुसार समय पर किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए बिजली, पानी, शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं निरंतर ठीक प्रकार से होनी चाहिए।

संबंधित एजेंसियां और ट्रांसपोर्ट उठान का कार्य तेजी से करेंए ताकि मंडी में अपनी फसल को लेकर आने वाले दूसरे किसानों को जगह और जाम जैसी स्थिति का सामना न करना पड़े। उन्होंने किसानों व आढ़तियों से बातचीत करके उनकी समस्याओं को जाना। उन्होंने आढ़तियों को कहा कि वे गेहूं खरीद प्रक्रिया में अपना पूरा सहयोग दें। किसी भी किसान को परेशानी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि तय मापदंड अनुसार तथा दिए गए शेड्यूल के अनुसार ही मंडियों में फसल लेकर आएं ताकि फसल बेचने में कोई परेशानी न हो। **एसडीएम ने किया गोदामों को निरीक्षण, गोदामों में मिले अनलोडिंग प्वायंट कम:** उचाना के एसडीएम गुलजार मलिक करसिंधु गांव के पास स्थित संजीव पीजी गोदाम पर पहुंचे। यहां पर 10 अनलोडिंग प्वायंट की जगह चार अनलोडिंग प्वाइंट मिले। एसडीएम ने लेबर कांट्रेक्टर को अनलोडिंग प्वाइंट बढ़ाने के निर्देश दिए ताकि मंडी, परचेज सेंटरों से लोडिंग की रफ्तार तेज हो सके। एसडीएम ने कहा करसिंधु गांव के पास दो गोदाम है जहां पर गेहूं के बैग जाते है। यहां पर जो प्वायंट होने चाहिए उतने प्वायंट अनलोडिंग के लिए नहीं है। लेबर कांट्रेक्टर को जल्द से जल्द प्वाइंट बढ़ाने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि अनलोडिंग प्वायंट गोदामों में बढ़ने के बाद मंडी में लिफ्टिंग की रफ्तार भी तेज होगी। एसडीएम ने मंडी पहुंच कर गेहूं की खरीद, उठान के बारे में जानकारी प्राप्त की। आढ़तियों, किसानों से वो रूबरू हुए। गेहूं के बैगों के तोल के अलावा गेहूं के बैगों को खुलवा कर साफ-सफाई की जांच भी की। मार्केट कमेटी सचिव कार्यालय में आढ़तियों, खरीद एजेंसियों के अधिकारियों के साथ मीटिंग की।

जींद। सफीदों अनाज मंडी का दौरा करते एसडीएम मनीष कुमार फोगाट।

राजौंद। अनाज मंडी जगह न होने पर कच्चे में डाली हुई गेहूं की ढेरियां।

उठान कम होने से अनाज मंडी में लगे गेहूं के अंबार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौद

राजौंद अनाज मंडी में उठान का कार्य धीमी गती के चलते किसानों को गेहूं कच्चे में डालना पड रहा है। पिछले कई दिनों से उठान का कार्य काफी कम हो रहा है। जिससे मंडी पूरी तरफ गेहूं से भरी पड़ी है। हजारों किवंटल गेहूं की बोरियां मंडी में जमा हो चुकी है। जिससे अब गेहूं डालने के लिए भी स्थान नहीं रहा।आढ़तियों व किसानों ने बताया कि एक दो ट्रक ही लोडिंग के लिए आ रहे हैं।जिससे गेहूं की बोरियों से पूरी मंडी भर चुकी है अगर इसी तरह चलता रहा तो अब गेहूं डालने के लिए भी मंडी में स्थान नहीं बचेगा। राजौंद अनाज मंडी में 1 लाख 81 हजार क्विंटल हरियाणा वेयरहाउस द्वारा खरीद की गई है। जिसमें केवल 50000 किवंटल का ही उठान हो पाया है। किठाना मंडी में 8121 किवंटल हैफेड द्वारा खरीद की गई है जबकि 6371 क्विंटल गेहूं हरियाणा वेयर हाउस द्वारा खरीदी गई है इन दोनों एजेंसियों की केवल 22000 किवंटल ही उठान किया गया है। जाखौली परचेज सेंटर पर 63586 किवंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है।

गेहूं का उठान तुरंत करवाए अन्यथा कार्रवाईः एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

एसडीएम अनिल कुमार दून ने खरीद एजेंसियों के एजेंटों को कड़े निर्देश दिए हैं कि वे खरीदी गई गेहूं का उठान तुरंत करवाए अन्यथा उनके खिलाफ आवश्यक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। एसडीएम दून ने शनिवार को दनौदा कलांए बेलरखा तथा नई अनाज मंडी मेला ग्राउंड नरवाना का दौरा किया और गेहूं खरीद प्रक्रिया का जायजा लिया। दून ने उठान प्रक्रिया कि धीमी गति पर असंतोष जताया और मौके पर ही सभी खरीद एजेंसियों के एजेंटों को उठान में तेजी लाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि अब की बार मंडियो में गेहूं की बंपर आवक हो रही है जो अच्छी गेहूं पैदावार के संकेत है। एसडीएम ने बताया कि अब तक नरवाना उपमंडल में बनाए गए गेहूं खरीद केन्द्रो और अनाज मंडियो में 7 लाख 96 हजार 465 क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी हैए जबकि अभी तक 1 लाख 23 हजार 765 क्विंटल गेहूं का भी उठान हुआ हैए जो उपेक्षाकृत कम है। उन्होंने उठान प्रक्रिया में और तेजी लाने के लिए कहा ताकि किसानों को अपनी गेहूं लाने में कोई परेशानी ना हो। उन्होंने बताया कि डीएफएससी द्वारा 2 लाख 70 हजार 708 क्विंटलए हेफैड द्वारा 3 लाख 64 हजार 128 क्विंटल तथा हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन द्वारा 1लाख 45 हजार 854 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई हैए साथ ही 15 हजार 775 क्विंटल गेहूं निजी ग्राहकों द्वारा खरीदी गई है।

उन्होंने बताया कि गेहूं खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है और सभी पंजीकृत किसानों का गेहूं सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जा रहा है। एसडीएम श्री दून ने बताया कि सभी मंडियों व खरीद केन्द्रो पर बिजली आपूर्तिए पेयजलए सुलभ शौचालयए साफ सफाई व अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है।

गेंहू का तेजी से उठान के लिए निर्देश देते हुए।

जींद मंडी से लोडिंग शुरू होने पर आढ़तियों ने ली राहत की सांस

जींद। अनाजमंडी में लगी गेहूं की ढेरियां। *फोटो :हरिभूमि*

- जिलेभर की अनाजमंडियों में हुई 3518700 क्विंटल गेहूं की खरीद
- अब तक 761340 क्विंटल गेहूं उठा खरीद का कुल 22 प्रतिशत हुआ उठान, 78 प्रतिशत अब भी शेष
- आज खरीद नहीं उठान का होगा दिनभर काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिलेभर की अनाजमंडियों में गेहूं की आवक पिछले तीन दिन से लगातार बढ़ी है। इसी के चलते सभी अनाज मंडियों किसानों के पीले सोने से भर चुकी हैं। अब तक 3518700 क्विंटल गेहूं की खरीद सभी एजेंसियों द्वारा की गई है। मंडियों में आवक के साथ पिछले तीन दिन में उठान के कार्य में भी बढ़ोत्तरी हुई है। जिसके चलते मंडियों से अब तक 761340 क्विंटल गेहूं का उठान हो चुका है। इसके अलावा मंडियों में अभी भी 2757360 क्विंटल गेहूं का उठान बाकि है। रविवार को मंडी में गेहूं की खरीद नहीं की जाएगी बल्कि उठान का कार्य ही दिनभर चलेगा। इससे मंडी में गेहूं की भीड़ कम होगी। गेहूं के उठान को लेकर पिछले दो से तीन दिन पहले मंडियों में 'यादा किल्लत थी। जिसके चलते उठान की दर दस से 12 प्रतिशत तक ही थी। जो अब बढ़ कर 22 प्रतिशत तक पहुंची है। उठान कम होने का एक कारण खरीद एजेंसियों के नमी मानक यंत्र भी रहा था। आढ़तियों व खरीद एजेंसियों के नमी मानक यंत्र का परिणाम अलग.अलग आ रहा था। जिसके कारण खरीद एजेंसियों का मानक यंत्र आढ़तियों के मानक यंत्र से दो प्रतिशत तक अधिक नमी बता रहा था। इसमें नमी की मात्रा 'यादा होने के कारण उठान पर प्रभाव पड़ रहा था। इस विवाद की सूचना पर एसडीएम मंडी में पहुंचे थे। जिन्होंने इसकी जांच करवाने की बात कही थी। इसको गंभीरता से लेते हुए शनिवार को नमी मानक यंत्र की जांच हुई तो इसमें खरीद एजेंसियों के मानक में अंतर मिला। शुक्रवार को न तो मंडियों में खरीद हो सकी और न ही इस विवाद के कारण उठान। इसके बाद शनिवार को मंडियों में सुबह ही खरीद हुई ।

नहीं हुई खरीद व उठान में परेशानी

मार्केट कमेटी सचिव संजीव कुमार ने बताया कि आढ़तियों द्वारा लोड करवाए गए ट्रक खरीद एजेंसियों द्वारा वापस भेजने पर यह मामला उछला था। अब शनिवार को खरीद व उठान का कार्य सही ढंग से चला। मंडी में किसानों को कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी। शनिवार को शहर की अनाज मंडी में गेहूं खरीद को लेकर कोई परेशानी नहीं हुई। शुक्रवार को मंडी में नमी जांच यंत्र को लेकर आढ़तियों व खरीद एजेंसियों में कुछ विवाद था। उसका समाधान हो गया है।

कलायतः अनाज मंडी में गेहूं उठान का कार्य बेहद धीमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कलायत अनाज मंडी व खरीद केंद्रों पर गेहूं उठान का कार्य बेहद धीमा है। मार्किट कमेटी कार्यालय अनुसार अभी तक लगभग 4 लाख 50 हजार क्विंटल गेहूं की खरीद हो चुकी है। इसमें से केवल 86 हजार क्विंटल गेहूं का उठान हुआ है। जो कि सरकार द्वारा निर्धारित खरीद नीति के नियमों से बेहद पीछे है। जबकि सांघण गांव में 20 प्रतिशत उठान को छोडकर अन्य सभी खरीद केंद्रों पर 8 से 10 प्रतिशत की उठान हुआ है। इस प्रकार के हालातों में अनाज मंडी गेहूं के कट्टों से खचाखच भर गई है। विवशता में मार्किट कमेटी को मंडी से बाहर गेहूं खरीद का कार्य करने की अनुमति लेनी पड़ी है। इसके चलते कच्ची जमीन व ओपन मजबूत बुनियादी सुविधाओं के बगैर खरीद कार्य गतिमान करने का कार्य जारी है। ऐसे में यदि बरसात होती है तो न केवल अनाज मंडी बल्कि बाहर खुले में पड़ा गेहूं खराब हो जाएगा। कलायत अनाज मंडी में सरकारी खरीद एजेंसियों से निजी एजेंसियां गेहूं उठान में बेहद आगे हैं। निजी क्षेत्र में अभी तक 50 हजार क्विंटल गेहूं की खरीड हुई है।

कलायत। अनाज मंडी में स्थान अभाव के चलते बाहर डाला गया गेहूं। *फोटो :हरिभूमि*

नरवाना। छात्राओं को सम्मानित करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

स्लोगन प्रतियोगिता में तमन्ना प्रथम

नरवाना। सनातन धर्म महिला महाविद्यालय नरवाना में प्राचार्या डॉ अंजना लोहान की अध्यक्षता में लीगल लिटरेसी सेल की ओर से स्लोगन राइटिंग व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें सभी संकायों की छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इसमें छात्राओं ने मानव अधिकारए नशा मुक्तिए बाल विवाहए शिक्षा के अधिकारए दहेज प्रथा तथा घरेलू हिंसा जैसे विषयों पर अपनी कला के द्वारा अलग.अलग प्रकार के पोस्टर बनाए और उन पर स्लोगन लिखकर जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका संतोष गर्ग व शालू गर्ग ने निभाई। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तमन्ना, द्वितीय स्थान प्रियांशी और तृतीय स्थान नेहा ने हासिल किया व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मुस्कानए द्वितीय स्थान स्वातीए तृतीय स्थान ममता ने हासिल किया। प्राचार्या डॉ अंजना ने प्रतियोगिता में भाग लेने पर बच्चों को बधाई दे कर पुरस्कृत किया।

राजकीय कॉलेज में चलाया ड्रग्स जागरूकता अभियान

समाज को नशा मुक्त बनाने में हर संभव सहयोग दें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

डॉ. भीम राव अम्बेडकर राजकीय महविद्यालय कैथल में ड्रग्स जागरूकता प्रकोष्ठ और एन. एस. एस. के संयुक्त तत्वाधान में ड्रग्स जागरूकता अभियान के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें महविद्यालय के विद्यार्थियों और एन. एस. एस. के स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। ड्रग्स जागरूकता प्रकोष्ठ कि संयोजिका ने कहा कि जो व्यक्ति नशा करता है उसे नशे कि लत लग जाती है। जो धीरे-धीरे बढती जाती है और एक समय ऐसा आता है जो व्यक्ति 24 घंटे नशे में रहने लगता है, ऐसे में युवाओं कि जिम्मेदारी है कि वे समाज में जागरूकता फैलाएं। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक गोयल ने कहा कि आज भारत जैसे देश में युवाओं के बीच तेजी से बढ़ते नशीले पदार्थों का सेवन आम समस्याओं में से एक है। नशीले पदार्थों में प्रमुख रूप से शराब, कोकीन, अफीम से बनी नशीली दवाईयां शामिल हैं, जो लोगों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों पर गंभीर रूप से प्रतिकूल प्रभाव डालती है। एक एन. एस. एस. के स्वयंसेवक और जागरूक युवा होने के नाते हम सभी की जिम्मेदारी है कि समाज को नशा मुक्त बनाने में अपना हर संभव सहयोग दें। एन. एस. एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोनिका जाखड़ ने कहा कि नशीले पदार्थों के उपयोग के कारण न सिर्फ इसे उपयोग करने वाले लोगों के लिए अनेक गंभीर स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न हो रही है; बल्कि बड़े पैमाने पर उनके परिवार और समुदाय के लोगों को भी विभिन्न समस्याओं से जूझना पड़ता है। प्रो. सुभाष शर्मा ने कहा कि ड्रग्स और स्मैक की लत युवाओं को अपराध की ओर धकेल रही है। इसकी रोकथाम के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं और युवाओं को अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करना होगा और समाज को जागरूक करना होगा। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में डॉ. अभिषेक गोयल, डॉ. मोनिका जाखड़ और प्रो. सुभाष शर्मा ने निर्णायक मंडल के सदस्यों कि भूमिका निभाई । प्रतियोगिता में साहिल ने प्रथम, संजीवनी ने द्वितीय और आर्यन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

कैथल। ड्रग्स जागरूकता अभियान के तहत पोस्टर दिखाते विद्यार्थी। *फोटो :हरिभूमि*

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 21 अप्रैल 2024

विशेषः पृथ्वी दिवस, 22 अप्रैल

हम सभी इस बात को जानते और समझते हैं कि हमारा वजूद पृथ्वी की वजह से ही संभव है। इसके बावजूद हमारी गतिविधियां धरती को लगातार संकटग्रस्त कर रही हैं। इसके दुष्प्रभाव दिखने लगे हैं और भविष्य में स्थितियां और भी भयावह हो सकती हैं। ऐसा ना हो, हमारी धरती और हम सभी सुरक्षित रहें, इसके लिए बिना देर किए हर किसी को प्रयास करने होंगे।

हमारे कारण संकटग्रस्त हो रही है
हमारी पृथ्वी

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

जिस धरती मां ने हमें जीवन दिया, प्राणवायु दी, पीने को पानी और खाने को भोजन दिया, आज वही अपनी जीवनरक्षा के लिए जूझ रही है। हम मनुष्यों ने स्वार्थ और सुविधाओं में खोकर इसका बेतहाशा दोहन किया है, जिससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है। हमारी लापरवाही और स्वार्थ के कारण न सिर्फ पृथ्वी का अपने मूल स्वभाव में बने रहना दूभर हो रहा है बल्कि इसकी गति और स्वाभाविक गतिविधियां भी बाधित हो रही हैं।

गति में आ रही बाधा

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि वनों की बेतहाशा कटाई, प्राकृतिक संपदा के नासमझीपूर्ण उपयोग और दोहन से धरती के सबसे ठंडे स्थान भी धीरे-धीरे गर्म होने लगे हैं। अंटार्कटिका में बर्फ पिघलने से पृथ्वी की घूर्णन गति में भी कमी आ रही है, जिससे विश्व की घड़ियां भी गड़बड़ा सकती हैं। पृथ्वी हर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकेंड में अपना चक्कर पूरा करती है। इसके घूमने की गति 1674 किलोमीटर प्रति घंटा है। यह रफ्तार किसी लड़ाकू विमान जितनी है। पर पृथ्वी का आकार इतना बड़ा है कि हमें इसके घूमने का पता नहीं लग पाता। अंतरिक्ष या उपग्रहों के जरिए पृथ्वी को घूमते हुए देखा जा सकता है।

एक नए अध्ययन में पाया गया कि इसके सर्व निर्देशांकित समय (कोर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम) में से एक सेकेंड कम करने की आवश्यकता पड़ सकती है। इस अध्ययन के लेखक डंकन एग्न्यू हैं। ये अमेरिका के सेंडियागो में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में भू-भौतिक विज्ञानी हैं। यह अध्ययन 'नेचर' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

नष्ट हो रहे ऑक्सीजन स्रोत

पृथ्वी पर ऑक्सीजन के मूल स्रोत पेड़-पौधे लगातार नष्ट हो रहे हैं। इसके साथ ही नदियां, समुद्र और जल संग्रह प्रदूषित और विषाक्त होते जा रहे हैं। जंगलों में आग लगने की घटनाएं दिनों- दिन बढ़ रही हैं। पिछले कई दिनों से तमिलनाडु के नीलगिरी में कुन्नूर वन क्षेत्र में जंगल की आग भड़क रही है। 1901 के बाद फरवरी 2024, दक्षिण भारत में सबसे गर्म महीना रहा है। पिछले दो महीने में दक्षिण भारत के कई राज्यों में अधिकतम, न्यूनतम और औसत तीनों ही तापमान सामान्य से ऊपर बने हुए हैं। इसी के परिणामस्वरूप सर्दियों के मौसम के दौरान भी इन वनों में शुष्क बायोमास की उपलब्धता बहुत ज्यादा है, जिसके कारण आग तेजी से फैल रही है। जंगलों में आग लगने का सबसे आम कारण मानवीय लापरवाही है। इसके अंतर्गत जलती हुई माचिस, सिगरेट के बिन बुझे टोटे को फेंकना, जंगलों में खाना पकाना, जानवरों को मारने के लिए या उन्हें डराने के लिए आग जलाना, शहद इकट्ठा करने के लिए आग लगाना आदि कारण शामिल हैं। प्राकृतिक कारणों में बिजली गिरना भी इसकी एक बड़ी वजह है। 2021 में भारत के कई राज्यों में वन अग्नि की अनेक घटनाएं देखने को मिलीं। साल 2023 में गोवा के वन क्षेत्र में बड़ी आगजनी की घटना हुई। 2024 में अब तक मिजोरम में 3738, मणिपुर में 1702, असम में 1652, मेघालय में 1252 और महाराष्ट्र में 1215 आग लगने की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं।

बिगड़ रहा है आकार और प्रकार

पृथ्वी पर गर्मी बढ़ने से ग्लेशियर पिघलते जा रहे हैं। इसका असर पृथ्वी की बेस लाइन पर पड़ रहा है और इसका शेप बिगड़ रहा है। हम इतना प्रदूषण फैला रहे हैं कि 2050 तक धरती का तापमान 2 डिग्री और बढ़ जाएगा। ऐसा हुआ तो कहीं भीषण सूखा पड़ेगा तो कहीं विनाशकारी बाढ़ आएगी। ग्लेशियर पिघलकर नष्ट हो जाएंगे तो जाहिर है इसके कारण समुद्र का जल स्तर बढ़ जाएगा। बढ़े हुए जल स्तर के कारण कई शहर हमेशा के लिए डूब जाएंगे। आपको जानकर चिंता और हैरानी होगी कि धरती पर समस्त जीवित प्राणियों यानी जल, थल, नभ में रहने वाले पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों का कुल भार से, मनुष्य निर्मित चीजों जैसे इमारतों, मशीनों आदि का भार बढ़ गया है। इसका वजन 2040 तक तीन टेराटन हो जाएगा। एक टेरा टन यानी ट्रिलियन टन के बराबर होता है और 1 टन में हजार किलोग्राम होते हैं। इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि यह भार कितना ज्यादा होगा। प्लास्टिक का इस्तेमाल भी हम बेतहाशा करने लगे हैं। इसका दुष्परिणाम भी पृथ्वी को ही भोगना पड़ रहा है।

ऐसे बचाएं अपनी धरती

धरती मां को बचाने के लिए हम सभी को प्रण करना होगा कि अपनी धरती को बचाने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। हमें जियो और जीने दो के मूल मंत्र पर काम करना होगा। इसके लिए पशु-पक्षियों का अनावश्यक शिकार रोकना होगा। मांसाहार छोड़कर शाकाहार अपनाना होगा। प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग करने का निश्चय करना होगा। पेड़-पौधों का संरक्षण और संवर्द्धन करना होगा। पर्यावरण को गर्म करने वाली गैसों का उत्सर्जन रोकने के लिए हमें तरह-तरह के उपाय करने होंगे। इसके लिए हमें जीवनशैली को ईकोफ्रेंडली बनाना होगा। इसके तहत बेवजह बिजली का उपयोग यानी बर्बादी रोकनी होगी। जैविक ईंधन यानी पेट्रोल, डीजल, केरोसिन तेल की बर्बादी रोकने और इनका उपयोग न्यूनतम करने का प्रयास करना होगा। साथ ही सौर ऊर्जा के उपयोग की आदत डालनी होगी। वैज्ञानिकों को भी गैर जैव ऊर्जा का निर्माण करने की ओर प्रयास करने होंगे। हमें अपनी दैनिक आदतों में जीरो वेस्ट नीति अपनाने, पानी के दुरुपयोग को रोकने और कचरे का सही निस्तारण करने जैसी आदतें शामिल करनी होंगी। कुल मिलाकर धरती की सेहत तभी सुधरेगी, जब हम इसका अनावश्यक दोहन करने की प्रवृत्ति पर लगाम कसने में कामयाब होंगे। *

ग्लोबल वार्मिंग से बढ़ रहा आइसक्रीम का कारोबार

साल 2022 में, भारत में आइसक्रीम बाजार का आकार 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा था, जबकि अगले पांच सालों में 13.49 फीसदी की सालाना वृद्धि दर का अनुमान है। वैश्विक आइसक्रीम बाजार की बात करें तो साल 2018 में यह 62.4 बिलियन डॉलर था, जबकि साल 2025 तक इसके बढ़कर 97.3 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है। इन दो तथ्यों से साफ है कि जैसे-जैसे धरती के तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है, उसी रफ्तार से इंसान में गला तर करने वाली ठंडी चीजों की चाहत बढ़ रही है। इससे साफ है कि नए-नए स्वादों, प्रकारों के चलते क्या विकसित और क्या विकासशील, सभी देशों में आइसक्रीम की मांग बढ़ रही है। आइसक्रीम का ग्लोबल वार्मिंग के साथ महज विरोधाभासी रिश्ता भर नहीं है बल्कि सूक्ष्म स्तर पर ही इससे यह साबित होता है कि बढ़ रही गर्मी की बेचैनी ने इंसान को आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित किया है।

जानकारों की माने तो साल 2024 आइसक्रीम के करोबार के लिहाज से बहुत हॉट होने वाला है, विशेषकर भारत में जहां आशंका है कि इस साल बाकी सालों के मुकाबले 20 से 22 दिनों तक ज्यादा गर्मी पड़ेगी। साथ ही 13 से 17 दिन तक ज्यादा लू चलेगी। ऐसी स्थिति में ठंडी-ठंडी आइसक्रीम का कारोबार बढ़ेगा ही। खासकर तब, जब आइसक्रीम के बाजार में नए से नए एक्सपेरिमेंट भी हो रहे हैं। इसके अलावा आज अपने देश के लगभग सभी बड़े शहरों में इंडियन आइसक्रीम एक्सपो आयोजित होने लगे हैं। इंडियन मैरिज बाजार के अध्ययन के मुताबिक पिछले एक दशक में शादियों में आइसक्रीम का चलन 20 फीसदी तक बढ़ा है और खान-पान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा आइसक्रीम बन गई है। यह भी देखने में आ रहा है कि अब सिर्फ बच्चे ही आइसक्रीम के दीवाने नहीं हैं, अपने देश में होने वाली शादियों में 35 फीसदी से ज्यादा आइसक्रीम बूढ़े और अधेड़ खाते हैं।

डॉक्टर और मनोवैज्ञानिक दोनों इस निष्कर्ष से सहमत हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते लोगों में गर्मी के एहसास की जो बेचैनी बढ़ी है, उस वजह से लोगों में मीठा और ठंडा खाने की ललक बढ़ रही है। मतलब साफ है कि जब आसमान से आग बरसेगी तो लोग खुद को तरोताजा रखने के लिए आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित होंगे ही। -नयनतारा

महेंद्र सिंह धोनी क्रिकेट के सुपर स्टार्स में शामिल हुए हैं तो इसकी वजह है, उनकी पर्सनालिटी में शामिल कुछ विशेष गुण। इन गुणों को सीखकर आप भी अपनी फील्ड में सफल लीडर बन सकते हैं।

लीडरशिप के कई गुण हमें सिखाते हैं महेंद्र सिंह धोनी

{ मोटिवेशन / अतुल मलिकराम }

अपने क्षेत्र विशेष में किसी न किसी व्यक्ति के ऊपर लीडरशिप का जिम्मा होता ही है। मायने यह रखता है कि वह उसे निभाता किस तरह से है? इस लिहाज से सबसे पहले याद आने वाले नामों में महेंद्र सिंह धोनी का नाम भी शामिल है। धोनी की लीडरशिप क्वालिटीज के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

उदाहरण से लीड करना : उदाहरण के तौर पर नेतृत्व करना धोनी की लीडरशिप की सबसे महत्वपूर्ण खूबियों में से एक है। धोनी के भीतर हमेशा ही अटूट समर्पण, अविश्वसनीय कार्य नीति और अत्यधिक शांत रहकर अच्छा काम करने की कला रही है। निरंतर सुधार के लिए उनकी प्रतिबद्धता और लगातार शानदार परफॉर्मेंस देने की उनकी क्षमता हमेशा ही उनके साथियों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करती है।

दृढ़ विश्वास से निर्णय लेना: सामान्य स्थिति से परे, विशेष रूप से दबाव में धोनी की निर्णय लेने की क्षमता तारीफ के काबिल है। चाहे वह एक साहसिक टीम का चयन हो, बैटिंग के ऑर्डर का एडजस्टमेंट हो या फिर एक खेल की दिशा बदलकर रख देने वाला कदम, धोनी ने हमेशा अपनी प्रवृत्ति का समर्थन किया और दृढ़ विश्वास के साथ निर्णय लिया। इस अटूट आत्म-विश्वास ने न सिर्फ उन्हें सम्मान दिलाया, बल्कि उनकी टीम में आत्मविश्वास भी जगाया। अपने फैसले पर भरोसा करना और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी साहसिक निर्णय लेना हम उनसे सीख सकते हैं।

संयम बनाए रखना: जब दबाव की अधिकता हो, ऐसी स्थिति में धोनी का शांत और संयम वाला व्यवहार सबसे अलग निखरकर आता है। उन्होंने कभी भी स्थिति की गंभीरता को खुद पर हावी नहीं होने दिया, बल्कि हमेशा ही अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए तर्कसंगत निर्णय लिया और अपनी क्षमता से सभी को चकित किया। धोनी का धैर्य हमें चुनौतीपूर्ण समय के दौरान समभाव बनाए रखना सिखाता है।

विनम्रता से काम लेना: अपनी अविश्वसनीय उपलब्धियों के बावजूद धोनी हमेशा ही जमीन से जुड़े और विनम्र बने रहते हैं। वे कभी भी अपनी सफलता का श्रेय स्वयं को नहीं देते हैं, बल्कि अपनी टीम के सामूहिक प्रयासों को देते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी विनम्रता से काम लेना चाहिए।

अनुकूलनशीलता और नवीनता: बदलती परिस्थितियों के अनुकूल होने की धोनी की क्षमता और उसके अनुसार नई रणनीतियों के प्रति उनका झुकाव उन्हें अन्य सभी लीडर्स की भीड़ से अलग करता है। स्थिति को देखते हुए हमेशा नए तरीकों की तलाश में रहने वाले धोनी, नई रणनीति और तकनीकों के साथ प्रयोग करने से कभी नहीं डरते हैं। सभी लीडर्स में बदलाव को अपनाने का गुण होना चाहिए।

प्रभावी संवाद: धोनी के लीडरशिप के गुण में कम्युनिकेशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उनके पास अपने विचारों को स्पष्ट रूप से और संक्षेप में यह सुनिश्चित करने की क्षमता है कि टीम का प्रत्येक सदस्य अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझे। लीडर्स को चाहिए कि वे प्रभावी कम्युनिकेशन स्किल्स विकसित करने का प्रयास करें, जिससे एक ऐसा वातावरण तैयार हो सके, जहां विचारों का स्वतंत्र रूप से प्रवाह हो और सहयोग को बढ़ावा मिले।

सुनने की क्षमता : धोनी के लीडरशिप के गुणों में से एक है शांति से टीम के सदस्यों की बात सुनने की क्षमता। वे हमेशा ही अपनी टीम के सदस्यों की राय को महत्व देते हैं, उनसे मिलने वाली प्रतिक्रिया को स्वीकार करते हैं और विभिन्न दृष्टिकोणों पर विचार करते हुए निर्णय लेते हैं। कुशल लीडर में यह कला होनी चाहिए।

दूसरों को प्रेरित करना: धोनी के पास अपनी टीम के सदस्यों को प्रेरित करने की अनूठी क्षमता है। वे टीम को अपनी क्षमताओं में विश्वास पैदा कराने का बखूबी हुनर रखते हैं। वे अपनी टीम को चुनौतियों से पार पाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। लीडर के रूप में, हमें चाहिए कि हम अपनी टीम को हमेशा प्रेरित करने का प्रयास करें।

रोल मॉडल बनें: धोनी की लीडरशिप की विशेषता उनके रोल-मॉडल बनने संबंधित व्यवहार से भी है। वे अनुशासन और समर्पण के लिए उच्च मानक स्थापित करते हुए, अपनी टीम के सदस्यों के कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने की ताकत रखते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी अपने लोगों को प्रेरित करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करना चाहिए। *

{ कविता / डॉ. नवीन दवे मनावत }

बचाने को धरती

वन सूख रहे हैं
पेड़ तरस रहे हैं पानी को
नदियां कर रहीं विलाप
पर्वत गा रहे दुखड़ा
तुम आओ शकुंतला एक बार।
इनको सहलाने, बहलाने
सुनने को क्षणिक पीड़ा
प्रकृति के साथ एक बार फिर रिश्ता
स्थापित करो
मानव को समझाने के लिए आओ।
हे शकुंतले !
कण्व ऋषि का आश्रम
अब बन गया है
अट्टालिकाओं का शहर
हवन कुंड बन गए हैं
कारखानों की चिमनियां
मंत्र ध्वनियां बन गई हैं युद्ध
की मिसाइलें
धर्म बन गया दानव।
सीता तुम भी आओ वन में एक बार
उज्ज्वल करने वाल्मीकि आश्रम को
समता, ममता स्थापित करने को
लव-कुश तुम रोको
विनाश के अश्वमेध को
तुम्हें बुला रही हैं वहीं पेड़
की टहनियां
जिससे बने थे धनुष और बाण
करने को दमन पाप।
ओ वनपुत्रों तुम रोको
शहर की ओर
बढ़ते कदमों को, सहेजो प्रकृति को
जिसने दिया अनुपम आश्रम
रोको और टोको
रोकना-टोकना जरूरी है
बचाने को धरती
रहने को मानवता...

{ कहानी / यशोधरा भटनागर }

एलबम

पति के गुजरने के बाद वह अकेली रह रही थीं। चारों बच्चे उनसे दूर अपने-अपने जीवन में मशगूल। बच्चों के स्नेह को तरसती, यादों के सहारे जीती एक वृद्धा की मार्मिक कहानी।

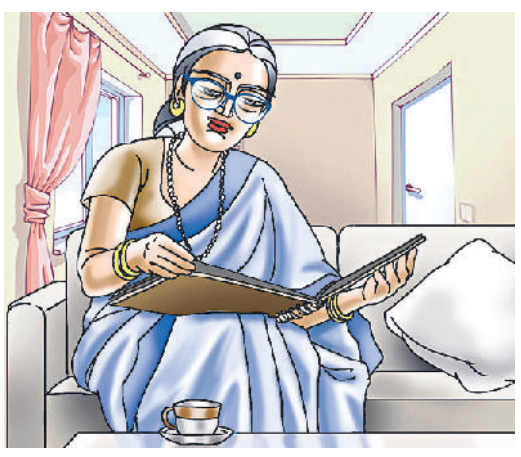

बेचैनी और घबराहट भरी खाली-खाली रात के बाद सुबह आई, अलसाई सुबह। किसी काम में मन नहीं लग रहा था। बेमन से ही अपनी दिनचर्या को निभाती हुई बगीचे में लाल गुलाब, मोगरा, हरी-हरी दूब से दो बातें करने चल दीं। जल बिंदु पुष्प पंखुड़ियों पर, हरी दूब पर दमकने लगे, हवा के हल्के से झोंके के साथ मन भी बहने लगा। कमर में खोंसा हुआ मोबाइल निकाल कर, चश्मा ठीक करके एक बार फिर देखा कि कोई फोन तो नहीं...। सामने गुलमोहर पर बुलबुल अपने बच्चों को उड़ना सिखा रही थी। वे एकटक देखने लगीं और विचारों की एक लंबी कड़ी जुड़ गई... विचार श्रंखला में उलझा मन। तभी गेट बजा, जरूर 'भूरी' होगी। तंद्रा टूटी, विचारों का ताना-बाना विच्छिन्न हो गया।

अपने सींगों से 'भूरी' गेट टनटना देती है। बिना नागा इसी समय रोटी लेने आती है यह 'भूरो', अपने भूरे रंग से गोमाता ने यह संज्ञा पा ली थी। 'भूरी' के पीछे-पीछे टॉमी भी जूली और चार बच्चों के साथ दुम हिलाते हुए पहुंच गया। सुमी रसोई घर की ओर चल दीं। रात को ही अपनी दो रोटियों के साथ भूरी और श्वान परिवार के लिए भी रोटियां बनाकर रख लेती हैं।

भूरी के सिर पर हाथ फेर, टॉमी को पुचकार वे कमरे में आराम कुर्सी पर बैठ गईं। चाय ठंडी हो गई थी, दो घूंट में गटक ली फिर मोबाइल उठाकर उसमें झांका, कोई मिस्ड कॉल तो नहीं? यूं भी कोई कॉल मिस न हो जाए, वे रात भर सोई ही कहां?

नाश्ता तो बनाना ही होगा, ब्लड प्रेशर की टेबलेट जो लेनी है। उदासीनता ओढ़े हुए, बेसन का घोल तैयार कर, तवे पर दो चीले बना लिए।

इससे जल्दी और सुगमता से शायद और कुछ नहीं बन सकता था। साथ ही अदरक वाली चाय भी चढ़ा ली। वे कभी भी चाय के बिना नाश्ता नहीं करती थीं। इसी बीच फिर मोबाइल में झांक आईं। पहले तो मोबाइल फोन अपने संग ही सहेजे रहती थीं, पर जब से बड़ी ने समझाया तो...। शायद मोबाइल खराब हो गया है...। ऐसा तो हो ही नहीं सकता कि मेरे चारों बच्चों में से किसी ने भी अपनी मां को फोन न किया हो।

पति के गुजर जाने के बाद बड़े-बड़े चार कमरों वाले घर में सुमी अकेली ही रहती थीं। अड़ोसी-पड़ोसी दादी की खोज-खबर लेते रहते थे। उनके अपने सरल-मृदु स्वभाव के कारण वे मोहल्ले भर की 'दादी', 'अम्मा', आंटी बन गई थीं। उनकी अपनी बिटिया की उम्र की रेणु के लिए आंटी से मां हो गई थीं।

फिर भी अपनी संतान को क्षण भर भी नहीं बिसार पातीं, बेटियां तो पराई होती हैं, परवश हैं....। अपना घर-परिवार छोड़कर बार-बार मायके कैसे आ सकती थीं, बड़ी भी और छोटी दोनों समझाती हैं। दिन में दो-तीन बार फोन पर बात कर लेती हैं, पर यह मुआ शनिवार-इतवार काम ज्यादा होता है न, नौकरी वाली हैं दोनों। एक इतवार ही तो मिलता है, उसमें भी ढेरों काम और सब की ढेरों फरमाइश है, पूरी करने में...।

बेटे से बात की थी, आठ दिन हो गए...। खाली मन और खाली हो गया।

चाय के साथ नाश्ता गटक कर, पुरानी भूरे कवर और काले पन्नों वाली एलबम लेकर बैठ गए पहला... दूसरा... तीसरा पृष्ठ... चारों बच्चे उनके साथ उन्हें घेरे हुए बैठे थे और 'छोटी' तो गोद में ही थी, बड़ा गले में बाहें डाले खड़ा था, तुनकमिजाज 'बड़ी' दाहिनी ओर मुंह फुलाए बैठी थी। गोल-मटोल 'छोटा' बलपूर्वक मां की गोद में आने की कोशिश में थोड़ी सी जगह में ही संतुष्टि पा गया था।

एक मुस्कुराहट के साथ उन्होंने अपना चश्मा उतार कर साफ किया और निगाह झांड़ू-पोछा लगाती गुड्डो पर टिक गई, पिछले पांच बरस से यही सारा काम संभाल रही है, पर उन्होंने उसे नौकरानी कभी नहीं समझा। धीरे से बोलीं, 'बेटा मेरे साथ कॉम्प्लेक्स चल न! मेरा मोबाइल ठीक कराना है। देख न, कोई फोन ही नहीं आता इसमें...' *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविताओं में मुगल स्त्रियां

पवन करण की कविताओं में स्त्री जीवन के बाह्य और मनोजगत की गहन छवियां पहले भी प्रकट होती रही हैं। लेकिन उनका नया कविता संग्रह 'स्त्री मुगल' इस लिहाज से और विशिष्ट है कि यह मुगलकालीन स्त्रियों पर केंद्रित एक शोधपरक काव्यात्मक दस्तावेज के रूप में सामने आया है। इसमें अनेक ऐसी मुगलकालीन महिलाओं पर मार्मिक कविताएं हैं, जिनके बारे में आम लोग प्रायः न के बराबर जानते हैं। छोटी-छोटी कविताओं के जरिए पवन ने इतिहास में कहीं विलीन हो चुकी महिलाओं को भावनात्मक शब्दांजलि देने का प्रयास किया है। कहने की जरूरत नहीं कि कवि का यह प्रयास भी ऐतिहासिक महत्व का साबित होगा। *

पुस्तकः स्त्री मुगल(कविता संग्रह), **लेखकः** पवन करण, **मूल्यः**299 रुपए,
प्रकाशकः राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से। हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

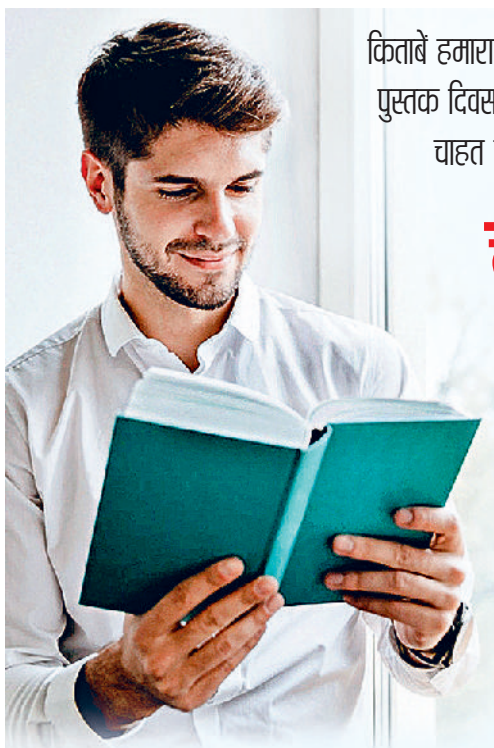

किताबें हमारा सिर्फ मनोरंजन नहीं करतीं, हमें ज्ञान नहीं देतीं बल्कि बेहतर मनुष्य होना भी सिखाती हैं। इसीलिए विश्व पुस्तक दिवस मनाया जाता है। लेकिन बीते कुछ दशकों से देश-दुनिया में लोग किताबों से दूर होते जा रहे हैं, पढ़ने की चाहत घटती जा रही है। इसकी क्या हैं वजहें, इसके दुष्परिणामों के बारे में हम सभी को पता होना चाहिए।

चलिए फिर से कर लें किताबों से दोस्ती

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

लाइफस्टाइल / दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

अब से तीन दशक पहले सन 1995 में पेरिस में यूनेस्को द्वारा हर वर्ष 23 अप्रैल 'विश्व पुस्तक दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की गई। इसके पीछे का उद्देश्य ज्ञान-विज्ञान की संवाहक के रूप में पुस्तक की महत्ता के बारे में दुनिया को बताना था। अपने देश की बात करें, तो पिछली सदी में नवें दशक के पूर्वार्द्ध तक किताबें ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में अपना दखल रखती थीं। पुस्तकें हम सभी के जीवन में बहुत महत्व रखती थीं। लेकिन हाल के वर्षों में जो रीडरशिप सर्वे हुए, उससे यह तथ्य उभर कर सामने आया कि पुस्तकों के प्रति लोगों की रुचि निरंतर घटती जा रही है। बढ़ती साक्षरता दर के बीच कम होती अध्ययनशीलता, चौंकाने वाली सच्चाई है।

इसलिए बढ़ रही किताबों से दूरी

अध्ययनशीलता का विकास बचपन में ही होता है। लेकिन बाजारवाद के इस दौर में बचपन का अर्थ 'शानदार करियर के लिए संघर्ष' में सिमट गया है। इस वजह से बच्चों को विद्यालय, अभिभावक और ट्यूटरों के दबाव में अनचाहे उबाऊ पाठ्य पुस्तकों में रमना पड़ रहा है। यह स्थिति बच्चों में पुस्तकों के प्रति वितृष्णा पैदा कर देती है और वह स्वाभाविक पाठक नहीं बन पाते। यही वह 'अल्फा पीढ़ी' है, जो टीवी, मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट की दीवानी हो रही है।

किताबों का प्रभाव

वैसे इलेक्ट्रॉनिक/डिजिटल माध्यम की महत्ता से इंकार नहीं कर सकते हैं, लेकिन इनकी एक सीमा है। यह विषय के बाहरी रूप से तो परिचित करा सकते हैं, लेकिन अंतरंग का दर्शन कराने में उतना ही कमजोर हैं। इसके विपरीत किताबें हैं, जिनकी पैनी निगाह से जीवन का कोई भी रंग या आयाम अदृश्य नहीं रह पाता है। मनोविज्ञानियों का स्पष्ट मत है कि पुस्तकें सिर्फ ज्ञान और मनोरंजन का ही साधन नहीं होती हैं, बल्कि यह दिमाग चुस्त-दुरुस्त रखने का श्रेष्ठ माध्यम हैं। यह व्यक्तित्व लचीला बनाती हैं और जीने के नए-नए तरीके सिखाती हैं। दृश्य माध्यम व्यवहार के सामूहिक पक्ष को खारिज करके व्यक्तिवादी पक्ष को प्रबलित करता है। नई पीढ़ी में सामाजिक मूल्यों के प्रति घटती आस्था और स्वहित के लिए कुछ भी करने की प्रवृत्ति इसी की देन है।

विकसित हो रही दुष्प्रवृत्तियां

बच्चे, किशोर और युवा वर्ग पुस्तकों से दूर हुआ है तो इसके दुष्परिणाम भी खूब दिखने लगे हैं। किशोरों और युवाओं में हिंसा, आक्रोश, आक्रामकता, अवमानना, कामुकता जैसी प्रवृतियों की हैरतअंगेज स्तर पर वृद्धि हुई है। देश में विगत वर्षों में पुस्तक दिवस पर बुक स्टॉलों पर कुछ खास हलचल नहीं दिखती। फ्रेंडशिप-डे, वैलेंटाइन-डे जैसे मौकों पर युवावर्ग में जो उत्साह और खरीददारी की ललक दिखती है, उसका दशांश भी पुस्तक दिवस को समर्पित हो जाए तो क्या कहने!

फिर लौटें किताबों की ओर

पाठक और पठित सामग्री की एकात्मकता संस्कार निर्माण की नींव है। विद्वान विचारकों का अभिमत है कि जीवन में आस्था, विश्वास और मूल्यों की स्थापना की सशक्त स्रोत पुस्तकें ही हैं और यही रहेंगी। इसका विकल्प कोई अन्य माध्यम नहीं बन सकता। प्राचीन विचारकों ने तो यहां तक कहा है कि पुस्तक जहां रखी होती है, वह स्थान विचारों, सिद्धांतों और अवधारणाओं का संगम होता है। हमारी दिमागी क्षमता के लिए पुस्तकें उपयोगी पोषक तत्वों जैसा काम करती हैं। संभवतः इसीलिए कहा गया है कि पुस्तकें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। इस दृष्टि से हमारी दिनचर्या में किताबों की वापसी हमारी प्राथमिकता बननी चाहिए।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सूचना क्रांति के इस दौर और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की चकाचौंध के बीच भी शब्दों की महत्ता न घटी है और न घटेगी। क्योंकि शब्द ही हैं, जो हमें जहां हम हैं, उससे आगे निकलने की राह दिखाते हैं। शब्दों की इसी महत्ता को रेखांकित करके किताबों को पुनः जनाधार देने का उपक्रम है, 'विश्व पुस्तक दिवस।' मगर इस उद्घोषणा का महत्व तभी होगा, जब देश के पुस्तक बाजार में इसको लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखेगी।

पुस्तकों के प्रति घटती जनरुचि के संदर्भ में अकसर उसकी कीमत को दोष दिया जाता है। लेकिन तीन-चार हजार का जूता खरीदने या दोस्तों के साथ फास्ट फूड पार्टी में हजारों रुपए खर्च करने वालों को चार-पांच सौ रुपए की किताबें क्यों महंगी लगती हैं, यह समझ से परे की बात है। वास्तव में मामला महंगाई का नहीं, प्राथमिकता का है। हम महंगे उपहार देते हैं, उसमें एक-दो पुस्तकें क्यों नहीं शामिल की जा सकती हैं? यह महत्वपूर्ण आयोजन तब तक अर्थहीन है, जब तक हम पुस्तकों की तरफ नहीं लौटेंगे। अगर हम संकल्प लें कि रोज कुछ न कुछ पढ़ना है तो इससे बच्चे और किशोर भी प्रेरित होंगे। एक बार यह सिलसिला चल निकलने की देर है, फिर किताबें अपना पुराना मुकाम प्राप्त कर लेंगी। *

ऐसे पड़ी पुस्तक दिवस की नींव

पश्चिमी देशों में पुस्तकें पढ़ने का चलन पिछली सदी में काफी पहले से कम होने लगा था। वहां नवें दशक तक आते-आते युवा वर्ग के व्यवहार में कई तरह के नकारात्मक परिवर्तन दिखने लगे थे। शिक्षाविदों और समाजशास्त्रियों के दबाव में कई सर्वेक्षण हुए, जिससे पता चला कि नई पीढ़ी में किताब पढ़ने की आदत एकदम कम हो गई थी। ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बढ़त बना चुके थे। इसलिए उनके व्यावहारिक जीवन में संवेदना, आत्मनियंत्रण और धैर्य का स्तर काफी कम हो गया था। सर्वेक्षणों से यह निष्कर्ष भी निकला कि जो किशोर साहित्य नहीं पढ़ते, कंप्यूटर खेलों और छोटे पर्दे के साथ अपना समय निकाल देते हैं, वे संवेदना, सौंदर्यबोध और कल्पना के मामले में कमजोर हो जाते हैं। एक तरफ युवा वर्ग में मूल्यों का संकट बढ़ रहा था तो दूसरी ओर पुस्तकों के अस्तित्व पर खतरे के बादल मंडरा रहे थे। इस बात से चिंतित स्पेन की सरकार ने किताबों के पक्ष में सकारात्मक माहौल बनाने की दृष्टि से 'यूनेस्को' को एक प्रस्ताव भेजा। इसके पूर्व 'अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक संघ' भी पुस्तकों के घटते जनाधार को संभालने के लिए यूनेस्को को आगे लाने का प्रयास कर चुका था। परिणामस्वरूप विचार-विमर्श के बाद विलियम शेक्सपियर और स्पेन के लोकप्रिय लेखक मीगुयेल डी सर्वेंटाइन की पुण्यतिथि 23 अप्रैल को प्रतिवर्ष 'विश्व पुस्तक दिवस' के रूप में मनाने का फैसला लिया गया।

सीख लें कुछ नया संवर उठेगा जीवन

अनेक अध्ययनों से सिद्ध हुआ है कि नई-नई स्किल सीखने से जीवन में नयापन, सकारात्मकता आती है और सफलता की नई राह खुलती है। 21 अप्रैल विश्व नवाचार और रचनात्मकता दिवस पर हम बता रहे हैं, नई स्किल सीखने के फायदे।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

अंजू जैन

नयापन हर किसी को भाता है। इसकी वजह है कि हम सब दैनिक उपयोग की पुरानी चीजों, पुराने कपड़ों, पुराने फैशन और पुराने रूटीन से कई बार ऊब जाते हैं और जिंदगी में कुछ नयापन चाहते हैं। नवाचार और रचनात्मकता हमें उत्साह और ऊर्जा तो देती ही है, हमें इनसे आंतरिक खुशी, आत्मविश्वास और जीवन में नई सफलताएं भी मिलती हैं। आप भी चाहें तो कोई नई स्किल सीखकर जिंदगी में नई ताजगी ला सकते हैं, नई राह खोल सकते हैं।

वाद्य यंत्र बजाना

दुनिया में कई शोध हो चुके हैं, जिनके नतीजे बताते हैं कि वाद्य यंत्र बजाने से मनोरंजन के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता भी बढ़ती है। मनोवैज्ञानिक और व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, वाद्य यंत्र सुनने से ही नहीं बजाने से भी मन को सुकून मिलता है। इससे अवसाद, तनाव और उदासी से भी मुक्ति मिलती है। साथ ही जो विद्यार्थी वाद्य यंत्र बजाते हैं या सुनते हैं उनकी मेमोरी शार्प होती है और पढ़ाई-लिखाई में एकाग्रता भी बढ़ती है।

नई भाषा सीखना

आज दुनिया एक ग्लोबल विलेज बन चुकी है। इंटरनेट के जरिए या फिर वास्तविक रूप में भी दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक हमारी पहुंच आसान हो चुकी है। हम विदेशों में अपने दोस्त बना रहे हैं, पर्यटन करने या पढ़ने के लिए विदेश जा रहे हैं और विदेश से व्यापार भी खूब हो रहा है। ऐसे में विदेशी भाषा सीखना बेहद फायदेमंद होगा। मनोविज्ञानियों का कहना है कि एक से ज्यादा भाषा सीखने वालों की बौद्धिक क्षमता, याददाश्त और एकाग्रता का स्तर बढ़ जाता है। साथ ही यह एक अतिरिक्त योग्यता भी होगी और विदेश में स्टडी या जॉब भी आसान बनाएगी।

स्पीड रीडिंग

हो सकता है, आप सोच रहे हों कि रीडिंग भी भला सीखने की चीज है? लेकिन स्पीड रीडिंग वाकई एक उपयोगी स्किल है। इसमें आप जल्दी-जल्दी पढ़ना और पढ़े हुए को आत्मसात करना सीखते हैं। इससे आपका समय बचता है और आप कम समय में ज्यादा पढ़ सकते हैं। जाहिर है, इससे छात्रों को स्टडी में काफी फायदा होगा। इस कला में आप किसी लेख, कहानी या टेक्स्ट के बिंदु बनाने और उसे संक्षेप में लिखकर या चंद वाक्यांशों में लिखकर याद करने की कला भी सीख सकते हैं।

आर्ट ऑफ जगलिंग

आपने किसी सर्कस या टीवी शो में जोकर को एक साथ कई गेंदों को ऊपर उछाल कर दोनों हाथों से एक-एक कर पकड़ना और फिर से उछालने का कमाल देखा होगा। यह कला जगलिंग कहलाती है। जगलिंग सीखने और इसका अभ्यास करने से बौद्धिक क्षमता और एकाग्रता बढ़ती है।

कुकिंग आर्ट

उम्र का बंधन किसी भी स्किल को सीखने के लिए नहीं होता है। आज की तारीख में दुनिया में कई बुजुर्ग ही नहीं बच्चे भी लजीज व्यंजन न सिर्फ पका रहे हैं बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सिखाकर सेलिब्रिटी शेफ जैसा दर्जा पा चुके हैं। हेल्दी और सेफ कुकिंग एक कला है, जो आपको डिसिप्लींड और ऑर्गेनाइज्ड रहना सिखाती है। साथ ही आपको टीमवर्क, माइंडफुलनेस प्लानिंग और हेल्थ कॉन्शस होना भी सिखाती है।

डिजिटल स्किल

दुनिया पूरी तरह डिजिटल हो चुकी है। कम्युनिकेशन, पढ़ाई, लिखाई, काम-काज, पेमेंट लेना या देना या शॉपिंग लगभग सब कुछ डिजिटल हो चुका है। जाहिर है, आज की दुनिया में आपको एक समझदार और सजग नागरिक बनना हो या करियर की राह पर सफल होना हो तो आपकी डिजिटल स्किल का लेवल बढ़िया होना चाहिए। संभव हो तो आपको कोडिंग भी सीखनी चाहिए। इससे आपकी टेक्नोलॉजी की समझ बढ़ेगी और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल भी इंप्रूव होगी। *

बहुत मुश्किल नहीं डर को हराना

किसी न किसी चीज या स्थिति से डर तो सबको लगता है। लेकिन कुछ मनोवैज्ञानिक तरीकों से अपने डर को हराया जा सकता है। यकीन मानिए, ऐसा करना बहुत कठिन भी नहीं है।

साइकोलॉजी / विवेक कुमार

डर कितना ही बड़ा क्यों न हो, उस पर जीत पाई जा सकती है, बस उसके लिए हमें कुछ मनोवैज्ञानिक तौर-तरीकों से गुजरना होता है। वैसे डर को लेकर समाज में बहुत गलत धारणाएं फैली हुई हैं। आमतौर पर लोगों का मनोविज्ञान यह है कि डरपोक लोगों को डर ज्यादा लगता है और बहादुर लोग डरते नहीं। यह सही बात नहीं है। डर एक जन्मजात और शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। इसका हमारे हिम्मती या गैरहिम्मती होने से कोई लेना-देना नहीं होता बल्कि अगर कोई व्यक्ति डरता है तो इसका मतलब यह है कि उसके शरीर में स्वाभाविक प्रतिक्रिया हो रही है। लेकिन जैसे हर चीज की एक सीमा होती है, डर की भी एक सीमा होती है। अगर डर उस सीमा के आगे बढ़ जाए तो वह डर नहीं रहता। इसलिए सीमा से आगे बढ़ा हुआ डर नुकसानदायक होता है और उसके निवारण की जरूरत होती है।

संभव है डर से छुटकाराः जब भी डर के बारे में सोचें तो यह मानकर चलें कि डर कितना ही बड़ा और जटिल क्यों न हो, उससे छुटकारा पाना संभव है। हम सब बचपन में अंधेरे से डरते हैं, कॉकरोच से या छिपकली से डरते हैं। ऊंचाई से भी डरते हैं और ये सिर्फ बच्चों की बात नहीं है, बड़े होने पर भी बहुत लोग इन सब चीजों से डरते हैं। लेकिन अगर इन सभी चीजों को धीरे-धीरे प्रैक्टिस से समझें तो डर दूर हो जाता है। दरअसल, डर से हमारी मुलाकात जन्म लेते ही हो जाती है। पैदा होने के बाद से ही किसी भी शिशु में असुरक्षा की भावना आ जाती है। भूख लगने पर वह जोर-जोर से रोने लगता है। रोना दरअसल, उसकी असुरक्षा की अभिव्यक्ति है। इसलिए जब भी उसे भूख लगती है, वह रोने लगता है। लेकिन पेट भरा होने पर नहीं रोता। ऐसे ही बिस्तर गीला हो जाने पर भी रोता है, लेकिन गीले बिस्तर से मां उठा ले तो वह चुप हो जाता है। यानी, हम जैसे ही अपने सुरक्षातंत्र में पहुंच जाते हैं, भय खत्म हो जाता है।

ऐसे मिलेगी भय से मुक्तिः किसी भी डर से छुटकारा वैज्ञानिक तरीके की परवरिश से ही मिलती है। जैसे हम अंधेरे में डरते और अंधेर में उजाला हो जाए तो डर दूर हो जाता है। ठीक इसी तरह हमारा कमजोर दिल-दिमाग जिन सवालों के जवाब नहीं ढूढ़ पाता है, उससे हमें डर लगता है। इसमें मां-बाप की भी भूमिका होती है। अकसर मां-बाप छोटे बच्चों को शरारत न करने के लिए छोटी-छोटी बातों से डराते रहते हैं। जैसे-बाबा आएगा और झोली में डालकर ले जाएगा। छोटे बच्चे इस वजह से किसी भी अंजान व्यक्ति को देखते ही डर जाते हैं। लेकिन बड़े होने पर पता चलता है कि उनका डर बेबुनियाद था। इसलिए बच्चों की परवरिश में ऐसी झूठी बातों के इस्तेमाल से बचना चाहिए।

अधिकांश होता है भविष्य का डर : डर आमतौर पर भविष्य से जुड़ा होता है। मैं लिफ्ट में जाऊंगा तो कहीं फंस ना जाऊं। मैं मीटिंग में सबके सामने बोलूंगा तो कहीं गलती तो नहीं हो जाएगी, लोग मुझ पर हंसेंगे तो नहीं। ये ऐसे डर हैं, जो आमतौर पर हम सबको लगते हैं और हम इनके बारे में सोच-सोचकर डरते रहते हैं। अगर हमारे मन में किसी तरह के संक्रमण की आशंका बैठ जाए, तो एक छींक आते ही हम बहुत डर जाते हैं, लगता है हमें इस संक्रमण ने जकड़ लिया। इंटरव्यू देने जाते वक्त हम इसलिए डर जाते हैं कि हमारे मन में ऐसे सवालों की चेन चलती रहती है, जो सवाल अभी तक हमसे न तो पूछ गए हैं और हो सकता कभी न पूछे जाएं। खुद ही हम इंटरव्यू देने जाने के समय डर जाते हैं। हम या तो बिना किसी वजह के डरते हैं या राई का पहाड़ बना लेते हैं। अगर हमारे मन में यह भाव मजबूती से बैठा हो कि जब कोई बात सामने आएगी, तब देखी जाएगी, तो हमें भविष्य से कभी डर ही नहीं लगेगा।

डर की कल्पना से बचें: मन बहुत कल्पनाशील होता है, इसलिए मामूली चीजें भी कई बार बहुत बड़ी समस्या बन जाती हैं। खतरा न होते हुए भी खतरे की घंटी सुनाई पड़ने लगती है। तभी तो मन रस्सी को कल्पना करते ही सांप समझ लेता है। दूसरी तरफ जो कल्पना से नहीं डरता, जिसमें डरावनी भावनाएं नहीं होतीं वो डरावनी परिस्थिति का भी जमकर मुकाबला करता है। मतलब यह कि डर जितना होता है, उससे कहीं ज्यादा हमारी कल्पना से बढ़ जाता है। इसलिए डर की कल्पना से बचना चाहिए। *

खास मुलाकात

पूजा सामंत

अपने दौर की स्टार हीरोइन मीनाक्षी शेषाद्रि, शादी बाद अमेरिका में सेटल हो गई थीं। वह सत्ताइस साल बाद भारत लौटी हैं, फिर से फिल्मों में काम करेंगी। मीनाक्षी अब किस तरह के रोल करना चाहेंगी? फिल्म इंडस्ट्री में वह क्या बदलाव देख रही हैं? क्या वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी काम करना पसंद करेंगी? मीनाक्षी शेषाद्रि से बहुत खुलकर बातचीत।

मैं ऐसे किरदार करना चाहूंगी, जो मुझे एक अलग पहचान दे : मीनाक्षी शेषाद्रि

मीनाक्षी शेषाद्रि ने मनोज कुमार निर्मित फिल्म 'पेंटर बाबू' से 1983 में फिल्मों में कदम रखा था। उसी वर्ष मीनाक्षी की जैकी श्रॉफ के साथ निर्माता-निर्देशक सुभाष घई की फिल्म 'हीरो' रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने मीनाक्षी और जैकी को रातों-रात स्टार बना दिया। इसके बाद मीनाक्षी ने कई सुपरहिट फिल्में दीं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, जितेंद्र, ऋषि कपूर, गोविंदा, विनोद खन्ना, राजेश खन्ना, शत्रुघ्न सिन्हा जैसे नामी स्टार्स के साथ काम किया। 1995 में मीनाक्षी ने इंवेस्टमेंट बैंकर हरीश मैसूरे के साथ विवाह कर लिया और उनके साथ अमेरिका में सेटल हो गईं। सत्ताइस वर्षों बाद वह भारत लौटी हैं। उन्होंने एक फिल्म साइन की है। पेश है मीनाक्षी शेषाद्रि से हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

आपकी शुरुआती दो फिल्मों ने रिलीज के चालीस वर्ष पूरे कर लिए हैं। विवाह के बाद आप अमेरिका में सेटल हुईं। आपकी बॉलीवुड में वापसी पूरे सत्ताइस वर्षों के बाद हो रही है। अपने कमबैक को लेकर आप क्या कहेंगी?

हां, 'पेंटर बाबू' और 'हीरो' मेरी ये दोनों फिल्में 1983 में रिलीज हुई थीं। इनके चार दशक पूरे होने की मुझे बहुत खुशी है। फिल्म 'हीरो' ने मुझे स्टारडम दिलाया। फिल्म 'पेंटर बाबू' मुझ जैसी न्यूकमर को लाइमलाइट में लाई। इसके बाद राजकुमार संतोषी जी की 1993 में फिल्म 'दामिनी' रिलीज हुई थी, उसके बाद 1996 में 'घातक' रिलीज हुई। मेरे करियर की ये आखिरी दो फिल्में थीं। 1995 में मेरी शादी हुई फिर मैं अपने वैवाहिक जीवन में बिजी हो गई। बेटी केंद्रा, जो इस वक्त पचीस वर्ष की है, पढ़-लिखकर जॉब कर रही है। बेटा जोश इक्कीस वर्ष का है। उसने अपनी पढ़ाई अभी-अभी पूरी की है। कुल मिलाकर एक मां, एक पत्नी और गृहिणी के रूप में मैंने अपना दायित्व संतोषजनक ढंग से निभाया। जब मैं विवाह के बाद अमेरिका गई तो यह बात मेरे जेहन में हमेशा रही कि उम्र के किसी भी पड़ाव पर मैं अपने देश लौटकर अभिनय करना चाहूंगी। अभिनय मेरा पैशन है। यह पैशन अब पूरा करना चाहूंगी। हालांकि अपने परिवार को अमेरिका छोड़कर भारत आने का डिसीजन मेरे लिए आसान नहीं था। मैंने यह बहुत बड़ा कदम उठाया है। अब यहां मुंबई आई हूं तो परिवार को बेहद मिस भी करती हूं। देर रात मैं अपने बच्चों और परिवार से बात करती हूं।

अब आप फिल्मों में किस तरह के रोल करना चाहेंगी?

मैं किस तरह के किरदार निभाना चाहूंगी, यह अभी तय नहीं किया है। मैंने एक प्रोजेक्ट साइन कर लिया है, उसके बारे में अभी कुछ बता नहीं सकती। बहुत जल्द इसकी अनाउंसमेंट होगी। अब फिल्म इंडस्ट्री बहुत बदल चुकी है। फिल्मों की कहानियां और किरदार भी बहुत बदल चुके हैं। मैं ऐसे किरदार करना चाहूंगी, जो मुझे एक अलग पहचान दे। मुझे अहसास हो कि मेरा कमबैक खास है, फ्रूटफुल है। मैंने यहां काम करने के लिए खुद को सरेंडर कर दिया है। अभी तो मैं कोरी स्लेट हूं। देखते हैं, फिल्म मेकर्स मुझे किस तरह के किरदार ऑफर करते हैं। आज की एक्ट्रेसेस फिल्मों में महज शो पीस नहीं बनतीं, उनके लिए स्ट्रॉन्ग रोल लिखे जाते हैं, फिर चाहे वो फिल्म, टीवी हो या ओटीटी प्लेटफॉर्म।

आप सत्ताइस साल बाद भारत लौटी हैं। इंडस्ट्री में आप किन बदलावों को महसूस कर रही हैं?

सबसे बड़ा और सुखद बदलाव सेट पर वैनिटी वैन का मौजूद होना है। मेरे दौर में वैनिटी वैन नहीं होती थी। धूप, धूल में शूटिंग के बाद ड्रेस चेंज करने की कोई प्रॉपर जगह नहीं रहती थी। बड़े नामी स्टूडियोज के मेकअप रूम गंदे रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं है। इस दौर की अभिनेत्रियों के लिए बहुत बड़ी सुविधा है वैनिटी वैन। स्टार के पेमेंट का स्तर भी बढ़ा है। इस तरह फिल्म इंडस्ट्री का पूरा ढांचा ही बदल गया है।

ओटीटी इस वक्त फिल्मों के लिए टफ कॉम्पिटिशन बन चुका है। आप कितनी तैयार हैं ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए, जहां नेगेटिव रोल और स्टोरीज ट्रेंडिंग हैं?

आय एम हियर टू सरप्राइज एवरीवन! मैं नेगेटिव रोल करूंगी या नहीं, यह तो रोल पर डिपेंड करेगा, अभी से कैसे बताऊं? पॉजिटिव, नेगेटिव का कॉम्बिनेशन कर सकती हूं। ग्रे शेड्स वाले रोल भी सोच सकती हूं।

आपने बॉलीवुड के कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया, उनके साथ आपके फिल्म करने के एक्सपीरियंस कैसे रहे?

हर एक्टर के साथ मेमोरीज शेयर करने के लिए शायद एक इंटरव्यू कम पड़ जाएगा। हां, जिनके साथ मेरी बहुत बनी, वो थे विनोद खन्ना। जब वह शिखर पर थे, सब कुछ छोड़कर आचार्य रजनीश के आश्रम में चले गए, कुछ वक्त बाद वो वापस भी आए। इंडस्ट्री ने उनका स्वागत किया। उनकी वापसी के समय मुझे उनके साथ पांच-छह फिल्में करने का मौका मिला। रजनीश आश्रम से लौटे विनोद जी के पास इतना आध्यात्मिक ज्ञान हो चुका था कि उनसे बातचीत करना एक ग्रेट एक्सपीरियंस होता था। जब मेरी शूटिंग विनोद जी के साथ होती थी। मेरे पापा भी मेरे साथ आते थे, खासतौर पर उनकी आध्यात्मिक बातें सुनने। विनोद जी, मैं और पापा घंटों बतियाते थे। उनसे हमारी बहुत अच्छी मित्रता थी। गोविंदा, इंडस्ट्री के वो सितारे हैं, जो वर्सेटाइल हैं। उनसे भी हमारा बहुत प्यारा रिश्ता रहा। ऋषि कपूर जी के साथ भी मैंने पांच फिल्में कीं। वह बहुत दिलचस्प इंसान और कमाल के एक्टर थे। आज जब मैं रणबीर को देखती हूं, मुझे लगता है उनमें अपने पिता की पूरी झलक है, लेकिन पिता पुत्र में तुलना नहीं होनी चाहिए। *

भारत और अमेरिका की लिविंग स्टाइल में अंतर

यूएसए की लिविंग स्टाइल चकाचौंध भरी है। डॉलर्स में मिलने वाली सैलरी से वहां के लोगों का स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग हाई है। वहां की लेडीज काफी फैशनेबल हैं। लगता है मानो अभी-अभी ब्यूटी पार्लर-सैलून से निकली हों। फैशन, हाई स्टैंडर्ड ऑफ लाइफ वहां एक कॉमन बात है। हां, अमेरिका में रहने का मेरे लिए फायदा यह रहा कि मैंने वहां काफी कुछ जाना-सीखा, जो मैं भारत में नहीं कर पाई थी। यहां तो मैंने फिल्मों में बतौर अभिनेत्री काम किया, जहां मेकअप, हेयर स्टाइल, डांस सिखाने के लिए सेट पर लोग होते हैं। कोई सीन कैसे किया जाए, यह बताने वाला डायरेक्टर होता है। घर पर मां-पिताजी होते हैं, जिस वजह से मैं पैंपर्ड होती रही। अमेरिका में जाने के बाद अपने परिवार के लिए खाना बनाना, ड्राइविंग सीखना, अपने फाइनेंस को मैनेज करना, ये सारे काम मैंने सीखे, जो वहां के लिए जरूरी थे। मैंने वहां स्विमिंग सीखी, जो फिटनेस के लिए थेरैपी बनी, पर्सनली मेरी ग्रोथ हुई। इस तरह वहां की रूटीन लाइफ ने मुझे इंडिपेंडेंट और बहुत स्मार्ट बनाया। भारत में होती तो शायद ये सब काम नहीं सीख पाती। एक बात की कमी मैंने वहां बहुत महसूस की, वह है अपनापन। हम सबकी मदद करें, यह अपने देश की सभ्यता-संस्कृति का हिस्सा है। भारत के लोग बिना मांगे दूसरे की मदद करते हैं। अमेरिका में किसी की मदद करने का कल्चर नहीं है। यहां तक कि वहां अपने किसी दोस्त के घर जाना है तो पहले उसकी भी अपॉइंटमेंट लेनी पड़ती है। यह सोचना पड़ता है कि कहीं उनकी प्राइवेसी में हम कोई दखलअंदाजी तो नहीं कर रहे हैं। मैं भारत में अपनी किसी भी सहेली के घर कभी भी जा सकती हूं। हक के साथ कह सकती हूं, 'चल, यार एक कप चाय पिला।' मैं अमेरिका में इंडियन लाइफस्टाइल, यहां की खुशमिजाजी, मददगार लोग बहुत मिस करती हूं।